`UNSC में सुधार पर दबाई जा रही... पेज 5

दैनिक कारखाने का सफर

मुकाबले के चक्कर में आदमी का जीवन एक कारखाने के समान हो गया है, आदमी का सबसे विश्वसनीय अखबार

पाप और पुण्य का फल यमलोक... पेज 7

वर्ष 6, अंक 339 | भोपाल, गुरुवार 21 मई, 2026 | ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष, पंचमीं 2083 | मूल्य 2 रुपए

प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने प्रधानमंत्री मोदी की इस यात्रा को दोनों देशों के संबंधों के लिए ऐतिहासिक दिन बताया

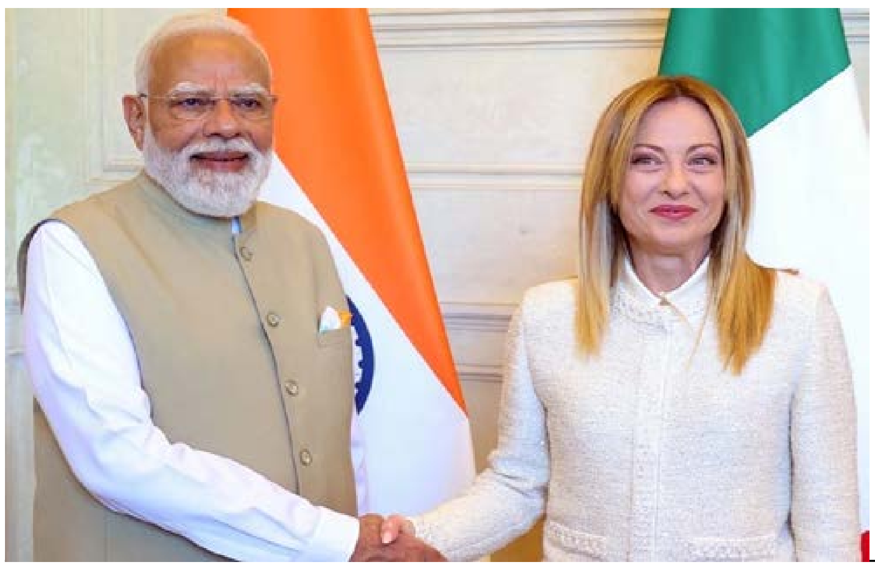

दैनिक कारखाने का सफर।
एजेंसी रोम

प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने प्रधानमंत्री मोदी की इस यात्रा को दोनों देशों के संबंधों के लिए ऐतिहासिक दिन बताया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2000 के बाद यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली द्विपक्षीय इटली यात्रा है और इस यात्रा ने लंबे अंतराल को समाप्त करते हुए संबंधों को नई गति दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पांच देशों की कूटनीतिक यात्रा का अंतिम चरण इटली की राजधानी रोम में भारत और इटली के संबंधों के लिए ऐतिहासिक साबित हुआ। प्रधानमंत्री मोदी ने इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी और राष्ट्रपति सर्जियो मटारेला के साथ व्यापक वार्ता कर दोनों देशों के संबंधों को विशेष रणनीतिक साझेदारी के नए स्तर तक पहुंचाने का संकल्प व्यक्त किया। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी के साथ द्विपक्षीय मुलाकात के बाद संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि रोम को दुनिया में "अनंत शहर" के रूप में जाना जाता है और उनकी लोकसभा सीट काशी की पहचान भी इसी प्रकार की है। उन्होंने कहा कि जब दो प्राचीन सभ्यताएं मिलती हैं, तो बातचीत केवल किसी तय एजेंडे तक सीमित नहीं रहती, बल्कि उसमें इतिहास की गहराई, भविष्य की झलक और मित्रता की सहजता दिखाई देती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और इटली के बीच चर्चा केवल औपचारिक संबंधों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह साझा मूल्यों और दीर्घकालिक सहयोग की दिशा में आगे बढ़ रही है। बाइट। प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने प्रधानमंत्री मोदी की इस यात्रा को दोनों देशों के संबंधों के लिए ऐतिहासिक दिन बताया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2000 के बाद यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली द्विपक्षीय इटली यात्रा है और इस यात्रा ने लंबे अंतराल को समाप्त करते हुए संबंधों को नई गति दी है। मेलोनी ने कहा कि भारत और इटली के संबंध अब निर्णायक चरण में पहुंच चुके हैं और दोनों देश स्वतंत्रता, लोकतंत्र तथा साझा भविष्य की सोच के आधार पर विशेष रणनीतिक साझेदारी को मजबूत कर रहे हैं।

हम आपको बता दें कि दोनों देशों ने रक्षा, समुद्री सुरक्षा, रणनीतिक प्रौद्योगिकी और आपूर्ति श्रृंखला जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई है। संयुक्त बयान में कहा गया है कि भारत और इटली आतंकवाद, साइबर अपराध, मानव तस्करी, अंतरराष्ट्रीय अपराध नेटवर्क और मादक पदार्थों की तस्करी जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए मिलकर काम करेंगे। इसके साथ ही महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों की सुरक्षा और वैश्विक रणनीतिक स्थिरता को भी सहयोग का प्रमुख आधार बनाया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति सर्जियो मातारेला के साथ भी प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की। इस दौरान व्यापार, रक्षा, स्वच्छ ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, नवाचार और संयुक्त रणनीतिक कार्य योजना 2025-2029 के तहत सहयोग को आगे बढ़ाने पर चर्चा हुई। दोनों देशों ने दीर्घकालिक साझेदारी को और मजबूत करने का संकल्प दोहराया। हम आपको यह भी बता दें कि भारत और इटली ने विनिर्माण तथा निवेश के क्षेत्र में भी नई संभावनाओं को रेखांकित किया। दोनों नेताओं ने कहा कि "मेड इन इटली" और "मेक इन इंडिया" पहल के बीच स्वाभाविक तालमेल मौजूद है। इटली की डिजाइन क्षमता, उन्नत विनिर्माण और तकनीकी विशेषज्ञता को भारत की इंजीनियरिंग प्रतिभा, उद्यमिता और तेज आर्थिक विकास के साथ जोड़कर नई औद्योगिक साझेदारी विकसित की जाएगी। दोनों देशों ने वर्ष 2029 तक द्विपक्षीय व्यापार को 20 अरब यूरो से आगे ले जाने का लक्ष्य रखा है।

-पेज 5 भी पढ़ें

पीएम मोदी को खाद्य और कृषि संगठन का सबसे बड़ा सम्मान, रोम में एग्रीकोला मेडल से नवाजे गए

दैनिक कारखाने का सफर।
एजेंसी रोम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन (FAO) के सर्वोच्च सम्मान एग्रीकोला मेडल से नवाजा गया है। FAO के डायरेक्टर जनरल डॉ. क्यू यू डोन्यू ने रोम स्थित संगठन के मुख्यालय में एक समारोह में पीएम मोदी को साल 2026 के लिए एग्रीकोला मेडल से सम्मानित किया। यह समारोह संगठन के ऐतिहासिक प्लेनरी हॉल में आयोजित किया गया। एग्रीकोला मेडल खाद्य और कृषि संगठन की तरफ से दिया जाने वाला सबसे बड़ा सम्मान है। अवार्ड से सम्मानित होने के बाद पीएम मोदी ने धन्यवाद देते हुए कहा, "यह सम्मान केवल मेरे लिए नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों के लिए है। यह भारत के किसानों और मछुआरों का सम्मान है। मैं यह पदक भारत के किसानों को समर्पित करता हूं।" भारत में कृषि को मुख्य धारा बताते हुए उन्होंने कहा, "हम अपनी धरती की पूजा करते हैं।"

पीएम मोदी ने अपने संबोधन में भूख से लड़ने में वैश्विक सहयोग के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने कहा, आज दुनिया जलवायु परिवर्तन से लेकर सप्लाई चेन में रुकावटों तक कई चुनौतियों का सामना कर रही है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि कोई भी भूखा न रहे, टिकाऊ खेती, इनोवेशन और सामूहिक वैश्विक कार्रवाई जरूरी है।

FAO के महानिदेशक डॉ. क्यू यू डोन्गयू ने कहा, यह मेडल सभी लोगों के कल्याण के प्रति पीएम मोदी के योगदान और प्रतिबद्धता की पहचान है। उनके कार्यकाल के दौरान कृषि उत्पादकता बढ़ाने, खाद्य सुरक्षा को मजबूत करने और किसानों के हित में सुधार लाने के लिए शुरू की गई ऐतिहासिक योजनाओं के लिए है, भूख और गरीबी से लड़ने और सार्वभौमिक खाद्य सुरक्षा हासिल करने के FAO के मूलभूत लक्ष्यों के प्रति समर्थन के लिए हैं। एग्रीकोला मेडल FAO का सबसे बड़ा सम्मान है। यह सम्मान उन वैश्विक नेताओं को दिया जाता है, जिन्होंने कृषि को मजबूत बनाने, भूख कम करने और वैश्विक खाद्य प्रणालियों को बेहतर बनाने की दिशा में असाधारण दूरदृष्टि, राजनीतिक प्रतिबद्धता और ठोस योगदान दिया है। इस सम्मान के साथ मोदी उन चुनिंदा नेताओं में शामिल हो गए हैं, जिन्हें यह पुरस्कार मिल चुका है। इस समूह में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, जॉर्डन के किंग अब्दुल्ला द्वितीय और इंडोनेशिया के पूर्व राष्ट्रपति जोको विडोडो शामिल हैं।

DMK के `कॉन्ट्रैक्ट पॉलिटिक्स' के आरोपों से बैकफुट पर विजय सरकार

दैनिक कारखाने का सफर।
एजेंसी नई दिल्ली

तमिलनाडु की राजनीति में इन दिनों जबरदस्त भूचाल आया हुआ है। अभिनेता से नेता बने विजय की पार्टी 'तमिलगा वेट्री कझगम' (TVK) के नेतृत्व वाली नई सरकार को विपक्ष के भारी चौतरफा दबाव के आगे झुकना पड़ा है। एक विवादित सरकारी टेंडर जारी होने के महज कुछ ही घंटों के भीतर सरकार ने इसे आनन-फानन में रद्द कर दिया। मुख्य विपक्षी दल द्रविड़ मुन्नेत्र कझगम (DMK) ने सरकार पर अपने चहेते ठेकेदारों को फायदा पहुँचाने के लिए 'कॉन्ट्रैक्ट पॉलिटिक्स' करने का गंभीर आरोप लगाया है।

यह विवाद 19 मई को ग्रामीण विकास विभाग द्वारा जारी किए गए एक टेंडर को लेकर है। यह टेंडर कांचीपुरम जिले में 30,000 लीटर की क्षमता वाली एक ओवरहेड पानी की टंकी बनाने के लिए था। 16.83 लाख रुपये के इस कॉन्ट्रैक्ट का टेंडर सुबह 9 बजे जारी किया गया था, और बोली जमा करने की आखिरी तारीख उसी दिन दोपहर 3 बजे तय की गई थी। इस तरह, इच्छुक बोली लगाने वालों को हिस्सा लेने के लिए सिर्फ़ छह घंटे का समय मिला। टेंडर के शेड्यूल के मुताबिक, बोलियां 19 मई को ही शाम 4 बजे खोली जानी थीं।

टेंडर की जानकारी के स्क्रीनशॉट जल्द ही सोशल मीडिया पर वायरल हो गए। बोली लगाने के लिए दिए गए इतने कम समय को लेकर सरकार की आलोचना होने लगी, और इस प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी के आरोप भी लगने लगे।

विपक्षी पार्टी 'द्रविड़ मुन्नेत्र कझगम' (DMK) ने सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि टेंडर की यह प्रक्रिया किसी खास कंपनी को फायदा पहुंचाने के लिए ही तैयार की गई लगती है। DMK के प्रदेश उपाध्यक्ष अमुथरासन ने सवाल उठाया कि कोई भी कंपनी सिर्फ़ छह घंटों के भीतर 'विस्तृत परियोजना रिपोर्ट' (DPR) कैसे तैयार कर सकती है और सभी ज़रूरी औपचारिकताओं को कैसे पूरा कर सकती है? उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में मंत्री एन. आनंद को निशाने पर लेते हुए कहा, "यह प्रशासनिक तेज़ी नहीं है। यह तो पहले से सोची-समझी 'कॉन्ट्रैक्ट पॉलिटिक्स' है।"

अमुथरासन ने यह भी पूछा कि नई सरकार के सत्ता संभालने के तुरंत बाद इतनी जल्दबाज़ी क्यों दिखाई गई? उन्होंने आरोप लगाया कि टेंडर की शर्तें शायद "सिर्फ़ एक ही कंपनी" को फायदा पहुंचाने के हिसाब से बनाई गई थीं। उन्होंने मांग की कि इस पूरी प्रक्रिया को सार्वजनिक किया जाए। उन्होंने इस मामले की जांच की मांग करते हुए आरोप लगाया कि इसमें 'तमिलनाडु टेंडर पारदर्शिता अधिनियम' (Tamil Nadu Transparency in Tenders Act) का उल्लंघन हो सकता है। उन्होंने कहा, "यह सिर्फ़ कोई शक नहीं है, बल्कि यह तो सीधे-सीधे अनियमितताओं का आरोप है।" जैसे-जैसे ऑनलाइन आलोचना तेज़ होती गई, TVK सरकार ने उसी दिन बाद में इस टेंडर को रद्द कर दिया।

मौत से पहले तीन दिनों तक भूखी रही पलक, दहेज की आग में जली एक और बेटी

दैनिक कारखाने का सफर। ग्वालियर

ग्वालियर में शादी के महज़ एक साल बाद ही एक नई-नवेली दुल्हन की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिवार ने दहेज उत्पीड़न और हत्या का आरोप लगाया है। वहीं, महिला के ससुराल वालों का दावा है कि उसने आत्महत्या की है।

जो आँखें सोशल मीडिया पर हज़ारों लोगों को मुस्कुराते हुए रील बनाना सिखाती थीं, उनके पीछे एक ऐसा खौफनाक सन्नाटा पसरा था जिसकी कल्पना भी रूह कँपा देती है। ग्वालियर की पलक रजक, जो दुनिया के सामने कैमरे पर अपनी खुशियाँ बिखेरती थीं, वो अपने ही ससुराल की चौखट के भीतर तीन दिनों तक भूखी-प्यासी तड़पती रहीं। जब सहने की हर हद पार हो गई, तो उस लाचार बेटी ने सोशल मीडिया के आभासी संसार को छोड़कर अपने पिता के रूप में अपने असली रक्षक को पुकारा। मौत के महज़ बीस मिनट पहले, कांपती आवाज़ और सिसकियों के बीच फोन पर कही गई उसकी आखिरी गुहार—"पापा, मुझे बचा लो, ये लोग मुझे मार डालेंगे"—सिर्फ एक बेटी की चीख नहीं, बल्कि दहेज के लोभियों द्वारा कुचली गई एक बेबस महिला के उस असहनीय दर्द की दास्तान है, जिसे सुनकर आज हर संवेदनशील दिल रो पड़ा है।

मध्य प्रदेश के ग्वालियर में शादी के महज़ एक साल बाद ही एक नई-नवेली दुल्हन की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिवार ने दहेज उत्पीड़न और हत्या का आरोप लगाया है। वहीं, महिला के ससुराल वालों का दावा है कि उसने आत्महत्या की है।

मृतक महिला की पहचान पलक रजक के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि मौत से करीब 20 मिनट पहले उसने अपने पिता को फोन किया था और उनसे गुहार लगाई थी कि वे उसे ससुराल से अपने साथ ले जाएं। परिवार वालों का आरोप है कि दहेज की मांग को लेकर पलक को लगातार मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा था।

पुलिस और परिवार वालों के अनुसार, पलक की शादी 14 अप्रैल, 2025 को अमित रजक से हुई थी, जो एयर फ़ोर्स में आउटसोर्स कर्मचारी है। परिवार का आरोप है कि शादी के दौरान सोना, चांदी, एक मोटरसाइकिल और अन्य सामान देने के बावजूद, पति, सास और देवर लगातार एक कार और सोने की चेन की मांग कर रहे थे। उन्होंने यह भी दावा किया कि शादी के समय दिए गए फिक्स्ड डिपॉज़िट (FD) की रसीदों को ससुराल वालों ने भुना लिया था। पलक के रिश्तेदारों ने आरोप लगाया कि शादी के बाद उसे बार-बार प्रताड़ित किया गया, घर के अंदर ही सबसे अलग-थलग रखा गया और उसे ठीक से खाना भी नहीं दिया जाता था।

उसके पिता के अनुसार, पलक ने 12 मई की रात उन्हें फोन किया और बताया कि घर में कोई भी उससे बात नहीं करता और पिछले तीन दिनों से उसने ठीक से खाना भी नहीं खाया है। फोन पर उसने अपने पिता से कथित तौर पर कहा, "पापा, मुझे यहां से ले जाओ। ये लोग लगातार एक कार और सोने की चेन की मांग कर रहे हैं। ये मुझे लगातार परेशान कर रहे हैं। ये लोग मुझे मार डालेंगे।"

उसके पिता ने उसे भरोसा दिलाया कि वह उसे घर वापस लाने के लिए उसके भाई को भेजेंगे। परिवार वालों ने बताया कि फोन पर पलक काफी डरी हुई लग रही थी और रो भी रही थी। हालांकि, इसके ठीक 20 मिनट बाद, अमित ने कथित तौर पर पलक के भाई को फोन करके बताया कि पलक ने फांसी लगा ली है।

जब पलक के रिश्तेदार घर पहुंचे, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। परिवार वालों ने दावा किया कि पलक की गर्दन, पैरों और शरीर के अन्य हिस्सों पर चोट के निशान थे, जिससे हत्या का संदेह पैदा होता है। गुस्साए रिश्तेदारों ने बाद में सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया और निष्पक्ष जांच, पोस्टमार्टम की वीडियोग्राफी तथा फोरेंसिक जांच की मांग की। पलक, जो नियमित रूप से सोशल मीडिया पर रील्स बनाती थी, के कथित तौर पर ऑनलाइन लगभग 10,000 फॉलोअर्स थे।

इस बीच, ससुराल वालों ने दावा किया कि पलक ने खुद को एक कमरे के अंदर बंद कर लिया था। उसके ससुर, बाबूलाल ने कथित तौर पर पुलिस को बताया कि जब वह बाज़ार से लौटे, तो उनके छोटे बेटे ने उन्हें बताया कि पलक दरवाज़ा नहीं खोल रही है। दरवाज़ा तोड़ने के बाद, परिवार ने कथित तौर पर उसे छत के पंखे से लटका हुआ पाया और उसे तुरंत अस्पताल ले गए, जहाँ डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने कहा कि इस मामले को गंभीरता से लिया जा रहा है क्योंकि यह मौत शादी के एक साल के भीतर हुई है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी रॉबिन जैन ने कहा कि महिला के परिवार ने गंभीर आरोप लगाए हैं और पोस्टमार्टम रिपोर्ट, मेडिको-लीगल जांच, फोरेंसिक निष्कर्षों और रिश्तेदारों के बयानों के आधार पर विस्तृत जांच चल रही है।

यूएन में भारत ने पाकिस्तान को बुरी तरह लताड़ा- `नरसंहार का इतिहास रखने वाला देश हमें न सिखाए'

दैनिक कारखाने का सफर। एजेंसी नई दिल्ली

धीरे-शुरुआत में अफगानिस्तान पर पाकिस्तान के हमलों का ज़िक्र करते हुए परवथनेनी ने कहा, 'दुनिया यह नहीं भूली है कि इसी साल मार्च में रमज़ान के पवित्र महीने के दौरान—जो शांति, चिंतन और दया का समय होता है—पाकिस्तान ने काबुल में 'उम्मीद एडिक्शन ट्रीटमेंट हॉस्पिटल' पर एक बर्बर हवाई हमला किया था।' संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) में भारत ने एक बार फिर पाकिस्तान के पाखंड को दुनिया के सामने बेनकाब किया है। 'सशस्त्र संघर्षों में नागरिकों की सुरक्षा' पर आयोजित सुरक्षा परिषद की वार्षिक खुली बहस के दौरान जब पाकिस्तानी प्रतिनिधि ने हमेशा की तरह जम्मू-कश्मीर का राग अलापा, तो भारत ने बेहद आक्रामक रुख अपनाते हुए उसे अंतरराष्ट्रीय मंच पर जमकर फटकार लगाई।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि, राजदूत हरीश परवथनेनी ने पाकिस्तान को आईना दिखाते हुए कहा कि नरसंहार के कृत्यों का उसका "लंबे समय से दागदार" रिकॉर्ड एक ऐसा पैटर्न दिखाता है, जिसमें वह अपनी सीमाओं के अंदर और बाहर हिंसा फैलाकर अपनी अंदरूनी नाकामियों से दुनिया का ध्यान भटकाने की कोशिश करता है। हरीश परवथनेनी, UN में भारत के स्थायी प्रतिनिधि ने कहा "यह बेहद हास्यास्पद और विडंबनापूर्ण है कि पाकिस्तान जैसा देश, जिसका खुद का इतिहास नरसंहार के काले कारनामों से दागदार रहा है, वह उन मुद्दों पर लेक्चर दे रहा है जो पूरी तरह से भारत के आंतरिक मामले हैं।"

इस साल की शुरुआत में अफगानिस्तान पर पाकिस्तान के हमलों का ज़िक्र करते हुए परवथनेनी ने कहा, "दुनिया यह नहीं भूली है कि इसी साल मार्च में रमज़ान के पवित्र महीने के दौरान—जो शांति, चिंतन और दया का समय होता है—पाकिस्तान ने काबुल में 'उम्मीद एडिक्शन ट्रीटमेंट हॉस्पिटल' पर एक बर्बर हवाई हमला किया था।" अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन (UNAMA) का हवाला देते हुए उन्होंने कहा, "हिंसा के इस कायरतापूर्ण और अमानवीय कृत्य में 269 नागरिकों की जान चली गई और 122 अन्य घायल हो गए। यह हमला एक ऐसी जगह पर किया गया, जिसे किसी भी तरह से 'सैन्य लक्ष्य' के तौर पर सही नहीं ठहराया जा सकता।" उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान का यह रवैया "पाखंडपूर्ण" है कि वह एक तरफ तो अंतरराष्ट्रीय कानून के ऊंचे सिद्धांतों की बात करता है, और दूसरी तरफ "अंधेरे की आड़ में बेकसूर नागरिकों को निशाना बनाता है।"

UNAMA के मुताबिक, ये हवाई हमले शाम की तरावीह की नमाज़ खत्म होने के ठीक बाद हुए थे, जब कई मरीज़ मस्जिद से बाहर निकल रहे थे। परवथनेनी ने UNAMA के उस आकलन का भी ज़िक्र किया, जिसमें बताया गया था कि अफगान नागरिकों के खिलाफ सीमा पार से की गई सशस्त्र हिंसा के कारण 94,000 से ज़्यादा लोग विस्थापित हुए थे। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान जैसे देश की तरफ से इस तरह की आक्रामक हरकतें कोई हैरानी की बात नहीं हैं—यह ऐसा देश है जो "अपने ही लोगों पर बम बरसाता है और सुनियोजित तरीके से नरसंहार करता है।" पर्वतनेनी ने यह भी कहा कि पाकिस्तान ने 1971 में 'ऑपरेशन सर्चलाइट' के दौरान अपनी ही सेना द्वारा 4,00,000 महिलाओं के साथ सामूहिक बलात्कार का एक सुनियोजित अभियान चलाया था। इस बहस में भारत का हस्तक्षेप इन्हीं आरोपों पर केंद्रित रहा, क्योंकि उसने पाकिस्तान के उस प्रयास को खारिज कर दिया जिसमें वह इस मामले को 'आंतरिक मामला' बताकर उठाना चाह रहा था।

दैनिक कारखाने का सफर अखबार का संपादकीय कार्यालय
गोबिंद टॉवर, क्वालिटी रेस्टोरेंट के पास, एसबी स्टूडियों के ऊपर पिपलानी पेट्रोल पंप के पास, सोनागिरी चौराहा रायसेन रोड भेल भोपाल। मोबाइल नंबरः 9826035849, 9425006706

मध्यप्रदेश में सात जिलों में आज लू का रेड अलर्ट, खजुराहो में 33 साल का रिकॉर्ड टूटा, पारा 47.4 डिग्री

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

एमपी में गर्मी अपने पीक पर है। खजुराहो, नौगांव, निवाड़ी, दतिया, राजगढ़ समेत कई शहर भट्ठी की तरह तप रहे। बुधवार को प्रदेश के 16 शहरों में पारा 44 डिग्री के पार रहा। खजुराहो सबसे गर्म रहा। यहां अधिकतम तापमान रिकॉर्ड 47.4 डिग्री पहुंच गया। यह देश का दूसरा और दुनिया का चौथा सबसे गर्म शहर रहा। बता दें कि 20 मई को अस्वान (मिस्र) में 49.4C, अराफात (सऊदी अरब) 48.4C और बांदा (भारत) 48.2C तापमान था। देश की बात करें तो बांदा के बाद खजुराहो में सबसे ज्यादा तापमान दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, मई में पहली बार खजुराहो इतना तपा है। इससे पहले 29 अप्रैल 1993 को अधिकतम तापमान 46.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। IMD (मौसम केंद्र) भोपाल ने गुरुवार को पूरे प्रदेश में हीट वेव का अलर्ट जारी किया है। 7 जिलों में तीव्र लू का रेड अलर्ट है। गुरुवार को जिन जिलों में तीव्र लू का रेड अलर्ट है, उनमें भिंड, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना और सतना शामिल हैं। इन शहरों में अधिकतम तापमान 45 डिग्री या इससे ज्यादा रह सकता है। वहीं भोपाल, ग्वालियर, श्योपुर, मुरैना, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, विदिशा, सागर, रायसेन, दमोह, कटनी, मैहर, रीवा, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली, रतलाम और झाबुआ में तीव्र लू का ऑरेंज अलर्ट है।

मौसम विभाग ने बुधवार को इंदौर, उज्जैन, जबलपुर, नीमच, मंदसौर, आलीराजपुर, आगर-मालवा, राजगढ़, शाजापुर, सीहोर, देवास, हरदा, खंडवा, खरगोन, बड़वानी, धार, आलीराजपुर, नर्मदापुरम, पांढुर्णा, छिंदवाड़ा, नरसिंहपुर, सिवनी, बालाघाट, मंडला, डिंडौरी, अनूपपुर, उमरिया और शहडोल में लू का येलो अलर्ट भी जारी किया है। यहां पारा 43 से 44 डिग्री सेल्सियस तक रहेगा।

मौसम विभाग ने अगले चार दिन यानी 23 मई तक के लिए गर्मी का फोरकास्ट जारी किया है। इसमें कहा गया है कि चार दिन तक पूरे प्रदेश में भीषण गर्मी का दौर बना रहेगा, यानी लोगों को गर्मी से राहत नहीं मिलेगी। इसके बाद नौतपा भी लग जाएगा। नौतपा के 9 दिन में भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर-जबलपुर समेत पूरे प्रदेश में भीषण गर्मी पड़ेगी।

प्रदेश में पिछले 2 दिन से भीषण गर्मी पड़ रही है। ऐसे में मौसम विभाग ने दोपहर में घरों से बाहर नहीं निकलने की चेतावनी जारी की है। मौसम वैज्ञानिक एचएस पांडे ने कहा कि दोपहर 12 से 3 बजे तक ज्यादा असर रहेगा। ऐसे में लोग जरूरी होने पर ही घरों से बाहर निकले। मध्य प्रदेश में 30 अप्रैल से आंधी-बारिश का दौर शुरू हो गया था। लगातार 11 दिन यानी 10 मई तक प्रदेश में बारिश हुई। कभी वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) का असर देखने को मिला तो कभी चक्रवात और टर्फ का। इस वजह से मई के पहले सप्ताह में बारिश हुई। 11 मई को आंधी-बारिश का दौर थमा। लेकिन 12 से 18 मई तक लगातार प्रदेश के किसी न किसी हिस्से में आंधी-बारिश या ओलावृष्टि का दौर बना रहा। इस तरह मई के 20 में से 15 दिन आंधी, बारिश या ओलावृष्टि का असर रहा। मौसम विभाग ने बुधवार को कहीं भी बारिश का अलर्ट जारी नहीं किया है।

ओल्ड सेक्रेटिएट में बनेगा नया प्रशासनिक कॉरिडोर

भोपाल में एक जगह होंगे कलेक्टोरेट, कमिश्नर-आईजी दफ्तर, टेंडर जारी

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

भोपाल के कोहेफिजा स्थित ओल्ड सेक्रेटिएट में ही नया प्रशासनिक कॉरिडोर बनेगा। जिसमें कलेक्टोरेट, कमिश्नर और आईजी कार्यालय होंगे। इसके टेंडर की प्रक्रिया भी हो गई है। हाउसिंग बोर्ड ने मौजूदा कलेक्टोरेट परिसर में ही नए कंपोजिट एडमिनिस्ट्रेटिव हब के निर्माण का आधिकारिक टेंडर जारी कर दिया है। इसके साथ ही पर्यावरणीय अड़चनों में फंसा प्रोफेसर कॉलोनी वाला पुराना प्रस्ताव भी समाप्त हो गया है। अब ओल्ड सेक्रेटिएट परिसर ही भोपाल का नया प्रशासनिक कॉरिडोर बनेगा, जहां कलेक्टोरेट, कमिश्नर और आईजी कार्यालय एक ही परिसर में संचालित होंगे।

इस निर्माण के बदले चयनित डेवलपर को पुराने सचिवालय परिसर में 3.36 हेक्टेयर जमीन कंपंसेटरी लैंड पार्सल (सीएलपी) के रूप में मालिकाना हक के साथ दी जाएगी। इस जमीन का मिक्स लैंड यूज रखा गया है, यानी यहां रेसीडेंशियल और कमर्शियल हाईराइज प्रोजेक्ट विकसित किए जा सकेंगे। प्रोजेक्ट की अनुमानित लागत 217.96 करोड़ रुपए है, जबकि बदले में दी जाने वाली जमीन की कीमत 256.92 करोड़ रुपए आंकी गई है। यह पूरा मॉडल राज्य सरकार की री-डेंसिफिकेशन नीति के तहत लागू किया जा रहा है, ताकि सरकारी खजाने पर सीधा वित्तीय बोझ न पड़े।

प्रोजेक्ट के तहत जी+7 कंपोजिट ऑफिस बिल्डिंग बनाई जाएगी, जिसमें कलेक्टर कार्यालय, संभागायुक्त कार्यालय और आईजी कार्यालय संचालित होंगे। इसके अलावा जी+2 मल्टीलेवल पार्किंग बनाई जाएगी, जिसमें 80 ईसीएस क्षमता रहेगी। परिसर में संप वेल, बिजली सब-स्टेशन और सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट जैसी सुविधाएं भी विकसित की जाएंगी। डेवलपर को दी जाने वाली जमीन तीन हिस्सों में बांटी है। सीएलपी-1 सबसे बड़ा 2.15 हेक्टेयर का ब्लॉक होगा। 0.63 हेक्टेयर और 0.58 हेक्टेयर के दो अन्य पार्सल भी शामिल किए गए हैं।

भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा, इंदौर संभाग

18वां एक दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन 24 मई को

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा, इंदौर संभाग द्वारा एक दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन अहिल्या परिसर गार्डन हवा बंगला द्वारकापुरी इन्दौर में 24 मई को आयोजित किया गया है।, भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा की स्थापना 02 अक्टूबर 2000 को गांधी मेमोरियल हॉल नई दिल्ली में संस्थापक अध्यक्ष बाबू राम नारायण साहू (पूर्व सांसद राज्य सभा) लखनऊ द्वारा की गई थी। वर्तमान में संघठन 32 प्रान्तों में सक्रियता से समाज को जोड़ कर देश की प्रगति एवं एकता के लिए सतत् रूप से कार्य कर रहा हैं 1 कार्यक्रम में सर्व प्रथम मां कर्मा देवी जी की पूजा अर्चना की जाएगी, स्वल्पाहार के बाद देश के विभिन्न प्रांतों से एवं मध्य प्रदेश से पधारे राष्ट्रीय पदाधिकारियों एवं प्रदेश अध्यक्ष गण एवं अन्य सभी सदस्यों का पंजीयन होगा एवं प्रथम पूज्य भगवान गणेश जी की बंदना से राष्टीय अध्यक्ष उमेश नन्द लाल शाहू नागपुर द्वारा कार्य क्रम की शुरुआत की घोषणा करेंगे 1

राष्ट्रीय अधिवेशन का मुख्य उद्देश्य मां अहिल्या की नगरी इंदौर से नारी सशक्तिकरण का संदेश देना एवं उनके अधिकारों के लिए संघर्ष करना एवं देश में भारतीय तैलिक साहू राठौर का सशक्तिकरण एवं संगठन की विस्तार योजना पर व्यापक विचार - विमर्श कर संग़ठन को आगे बढ़ाना है एवं संगठन विकास करें एवं पूरे देश में 15 करोड़ तेली , साहू , राठौर, घांची, शाह, गुप्ता, बनियार , चेट्टियार , ग़निगा, निंमजा , साव आदि (72 उपनाम के) समाज विकास कर अग्रिम पंक्ति में खड़ा हो एवं अपने अधिकारों को प्राप्त कर सके 1

कार्यक्रम में संग़ठन के झंडे का ध्वजारोहण के बाद अतिथियों का सम्मान किया जाएगा जिसमें विवेक बंटी साहू सांसद छिंदवाड़ा, रवि करण साहू पूर्व अध्यक्ष तेल घानी बोर्ड मध्य प्रदेश, राम निवास शाह विधायक सिंगरोली एवं संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं अन्य सभी पदाधिकारियों का सम्मान किया जाएगा , तत्पश्चात राष्ट्रीय प्रभारी , व्यापारी एवं उद्योग प्रकोष्ठ श्री अशोक जानकी लाल साहू एवं राष्ट्रीय समन्वयक व्यापारी एवं उद्योग प्रकोष्ठ प्रकाश साहू कार्य क्रम के बारे में जानकारी प्रदान करेंगे उसके बाद राष्ट्रीय पदाधिकारियों का संबोधन होगा , राष्ट्रीय मुख्य महामंत्री सुनील भाई साहू अमरावती , राष्ट्रीय अपर महामंत्री (संगठन कार्य प्रमुख) चन्द्र मोहन साहू भोपाल राष्ट्रीय कार्य बाहक अध्यक्ष मेवा लाल साहू ग्वालियर, राष्ट्रीय प्रभारी संजय आर साहू लखनऊ , राष्टीय महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष रेखा दिनेश साहू राजनांदगांव छत्तीसगढ़, राष्ट्रीय महिला प्रकोष्ठ कार्य कारी अध्यक्ष ललिता साहू इन्दौर , राधे श्याम साहू जुलवानिया उपाध्यक्ष उद्योग एवं व्यापारी प्रकोष्ठ , कैलाश चन्द्र बिजाले इंदौर मीडिया प्रकोष्ठ प्रभारी , राष्ट्रीय युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष एस पी गुप्ता मुंबई , प्रदेश अध्यक्ष नरेन्द्र साहू (डबरा भोपाल) , प्रदेश महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष रेखा महेंद्र साहू इंदौर , प्रदेश युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष जितेन्द्र साहू धार एवं देश के अलग अलग प्रांतों से पधारे प्रदेश अध्यक्ष गण जिसमें रति लाल गुप्ता मुंबई (महाराष्ट्र) , सुनील कुमार साहू बिहार शरीफ , प्रदेश अध्यक्ष बिहार, प्रहलाद साहू जयपुर प्रदेश अध्यक्ष राजस्थान , ललित राठौर रुद्रपुर प्रदेश अध्यक्ष उत्तराखंड, वी नागराजन चेन्नई, प्रदेश अध्यक्ष तामिल नाडू , जी प्रभाकर चित्तूर, आंध्र प्रदेश, विजय कुमार गणीगा , बैंगलोर प्रदेश अध्यक्ष कर्नाटक , श्री ईद - लबाई किशन जी निजामाबाद प्रदेश अध्यक्ष तेलंगाना, मनोज कुमार पी (निमजा) साहू , राम लखन साव जी कोलकाता प्रदेश अध्यक्ष पश्चिम बंगाल आदि उपस्थित रहेंगे एवं इनका उद्बोधन होगा 1

कार्यक्रम में राजनेतिक अतिथियों में कैलाश विजयवर्गीय केबिनेट मंत्री मध्य प्रदेश शासन, शंकर लालवानी सांसद इंदौर , गोलू शुक्ला विधायक विधान सभा क्र. 03 इंदौर , मालिनी गौड़ विधायक विधान सभा क्र - 04 , पुष्यमित्र भार्गव महापौर इंदौर, सुदर्शन गुप्ता जी पूर्व विधायक (प्रदेश उपाध्यक्ष भाजपा) , दिलीप शाह सिंगरोली उपस्थित रहेंगे उनका भी सम्मान किया जाएगा 1

कार्य क्रम के अपराह्न में राष्ट्रीय पदाधिकारियों एवं प्रदेश अध्यक्ष गण एवं अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किया जाएगा

अंत में इंदौर संभाग के 10 वी एवं 12 वीं के 85% से अधिक अंक प्राप्त मेघावी छात्र छात्राओं का मंच से सम्मान किया जाएगा 1

*मंच संचालन राष्ट्रीय अपर महामंत्री (संगठन कार्य प्रमुख) चन्द्र मोहन साहू भोपाल द्वारा किया जाएगा। आभार राष्ट्रीय कार्य कारी महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष ललिता साहू इन्दौर द्वारा किया जाएगा।

कार्यक्रम के आयोजन में विगत दो माह से सतत् प्रयासरत कोर कमेटी सदस्य गण जिसमें अशोक जानकी लाल साहू इन्दौर, चन्द्र मोहन साहू भोपाल, प्रकाश साहू (अलंकार फर्नीचर) पीथमपुर, राधे श्याम साहू जुलवानिया, कैलाश चन्द्र बिजाले इंदौर , ललिता साहू इन्दौर , वैजन्ती साहू धार , रेखा साहू इंदौर , अनिता साहू इंदौर , जितेन्द्र साहू धार , प्रतीक साहू इंदौर , गौरव साहू इंदौर, मनु शंकर साहू इंदौर की सहभागिता रही।

डॉ. जवाहर कर्नावट भारतीय भाषा परिषद, कोलकाता में व्याख्यान के लिए आमंत्रित

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

देश की प्रख्यात संस्था भारतीय भाषा परिषद, कोलकाता द्वारा शनिवार 23 मई को हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्ष की पूर्णता के अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय समारोह में भोपाल के प्रखर वक्ता एवं लेखक डॉ. जवाहर कर्नावट को व्याख्यान हेतु विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है।

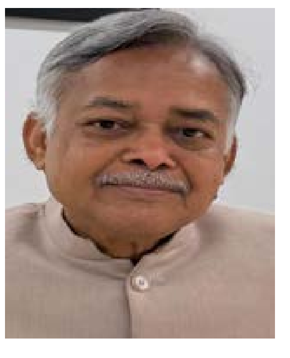

'हिंदी पत्रकारिता- अतीत और भविष्य' विषय पर आयोजित इस सेमिनार में डॉ. कर्नावट विदेश की 142 वर्षों की हिंदी पत्रकारिता पर अपने विचार व्यक्त करेंगे। इस समारोह में देशभर से प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रख्यात पत्रकार भागीदारी करेंगे । उल्लेखनीय है कि हिंदी पत्रकारिता की शुरुआत कोलकाता से प्रारंभ हुए उदंत मार्त्तण्ड हिन्दी अखबार से 30 मई 1826 को ही हुई थी।

2024 में डॉग बाइट के केस

इंदौर	30,304
ग्वालियर	11,902 (अन्य रिपोर्ट में 81,754 सालाना)
जबलपुर	13,619
उज्जैन	10,296
रीवा	1,131

भोपाल में रोज 81 लोग डॉग बाइट के शिकार, 5 साल में साढ़े 8 करोड़ रुपए खर्च फिर भी बढ़ी घटनाएं

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

भोपाल में हर रोज 81 लोग डॉग बाइट के शिकार हो रहे हैं। डॉग्स की नसबंदी और वैक्सीनेशन पर नगर निगम पांच साल में करीब साढ़े 8 करोड़ रुपए खर्च कर चुका है। बावजूद डॉग बाइट की घटनाएं बढ़ गई हैं। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने स्कूल, अस्पताल, रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड जैसे सार्वजनिक स्थानों से आवारा कुत्तों को हटाने के निर्देश दिए हैं, लेकिन भोपाल में इसका पालन आसान नहीं दिख रहा। शहर में करीब 1.20 लाख आवारा कुत्ते हैं, लेकिन नगर निगम के पास एक भी स्थायी डॉग शेल्टर नहीं है। नगर निगम के अनुसार हर रोज 15 शिकायतें मिल रही हैं। जेपी और हमीदिया अस्पताल में डॉग बाइट के शिकार बच्चे और बुजुर्ग पहुंच रहे हैं। अशोका गार्डन, अयोध्या बायपास, पिपलानी, कोहेफिजा, शाहजहांनाबाद, करोंद, मीनाल रेसीडेंसी, पटेल नगर, छोला, बैरागढ़, लालघाटी-हलालपुर रोड, रेलवे स्टेशन, आईएसबीटी और न्यू मार्केट के आसपास रात में कुत्तों के झुंड सबसे ज्यादा दिखाई दे रहे हैं। कई जगह फुटपाथों पर कुत्तों के डेरों के कारण पैदल निकलना मुश्किल हो रहा है।

जानकारी के अनुसार नगर निगम के पास फिलहाल अरवलिया, आदमपुर छावनी और कजलीखेड़ा में तीन एनिमल बर्थ कंट्रोल (एबीसी) सेंटर हैं। तीनों की कुल क्षमता सिर्फ 600 कुत्तों की है। यहां रोज 20 से 25 कुत्तों की नसबंदी और टीकाकरण हो रहा है। ये सेंटर केवल नसबंदी के लिए हैं, जबकि कोर्ट के निर्देश के मुताबिक स्थायी डॉग शेल्टर एक भी नहीं है।

पिछले 5 साल में नगर निगम ने नसबंदी और टीकाकरण पर 8.56 करोड़ रुपए खर्च किए। इस दौरान 81,207 कुत्तों की नसबंदी और टीकाकरण का दावा किया गया, लेकिन शहर में डॉग बाइट और आवारा कुत्तों की शिकायतें लगातार बढ़ती रहीं।

इंदौर में अप्रैल के 24 दिनों (24 अप्रैल तक) में डॉग बाइट के 3493 मामले सामने आए हैं। यानी औसतन करीब 146 केस प्रतिदिन दर्ज किए गए हैं। जनवरी में 5198, मार्च में 5109 मामले आए थे। वहीं दिसंबर में 5471 केस थे। पूरे मध्यप्रदेश में कुत्तों के काटने का खतरा बना रहता है। कई इलाके ऐसे हैं, जहां कुत्तों के डर से बच्चे घरों के बाहर खेलने तक नहीं जाते। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के 2024 के आंकड़े बताते हैं कि मध्यप्रदेश में 10.09 लाख से ज्यादा आवारा कुत्ते हैं। इनमें से 6 लाख से अधिक बड़े शहरों इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, उज्जैन और जबलपुर में हैं। केंद्र सरकार के आंकड़ों के मुताबिक, साल 2022 से जनवरी 2025 तक प्रदेश में करीब 3.39 लाख डॉग बाइट के मामले सामने आए हैं। इनमें 2022 में 66,018, 2023 में 1,13,499, 2024 में 1,42,948 और 2025 (जनवरी) में 16,710 मामले दर्ज हुए। इसी अवधि में कम से कम 9 लोगों की रेबीज से मौत भी हुई है। देशभर के आंकड़ों से तुलना करें तो मध्यप्रदेश डॉग बाइट मामलों में शीर्ष राज्यों में शामिल है, जहां हर साल मामलों में लगातार बढ़ोतरी दर्ज हो रही है। 2022 में जहां करीब 21.89 लाख मामले देशभर में थे, वहीं 2024 में यह संख्या बढ़कर 37.15 लाख से अधिक हो गई। पशु चिकित्सक एसआर नागर के मुताबिक गर्मी का मौसम कुत्तों के व्यवहार को आक्रामक बना देता है। कुत्तों

गतांक से आगे : लोक कल्याण हेतु दादाजी का अवतरण

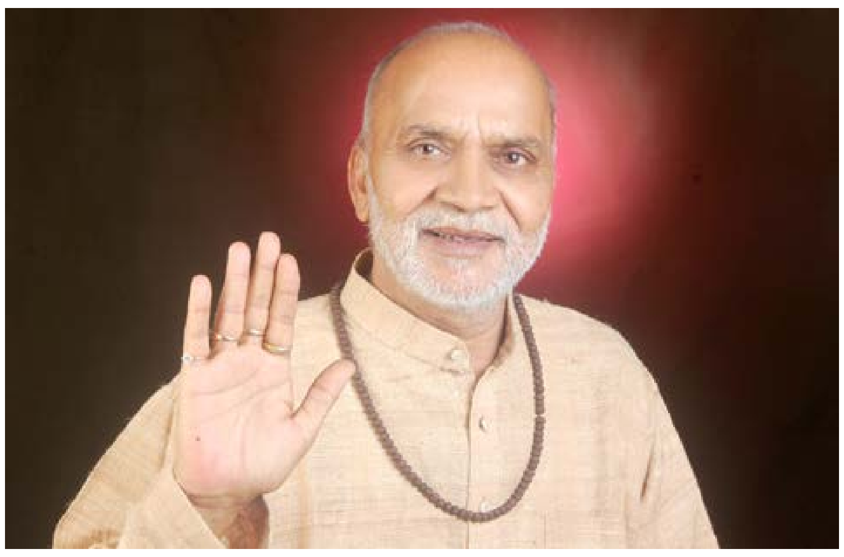

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

दादाजी गुरुदेव का जीवन केवल एक संत का जीवन नहीं था, बल्कि लोककल्याण, श्रद्धा, भक्ति और मानव सेवा का एक दिव्य संदेश था। उनके जीवन से जुड़ी अनेक घटनाएँ आज भी भक्तों के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। ऐसी ही एक अत्यंत अलौकिक एवं श्रद्धा से परिपूर्ण घटना उनके किशोर अवस्था की है, जिसने आगे चलकर उनके दिव्य अवतरण और आध्यात्मिक कार्यों की दिशा निर्धारित की। उस समय दादाजी गुरुदेव चुन्नीलाल नामदेव लगभग सत्रह वर्ष की आयु के थे। वे अमावस्या और पूर्णिमा के पावन अवसरों पर महुआ खेड़ा ग्राम के समीप मां नर्मदा के घाट पर स्नान एवं साधना के लिए जाया करते थे। नर्मदा तट का वह शांत एवं पवित्र वातावरण उनकी आध्यात्मिक साधना का प्रमुख केंद्र था। स्नान के उपरांत वे प्रायः ध्यान और ईश्वर चिंतन में लीन रहते थे। एक दिन नर्मदा स्नान करके लौटते समय मार्ग में एक विशाल वटवृक्ष के नीचे एक वृद्ध महात्मा विराजमान दिखाई दिए। उनके मुखमंडल पर अद्भुत तेज था। जैसे ही दादाजी उनके समीप पहुंचे, उस वृद्ध संत ने करुण स्वर में कहा बेटा, कुछ खाने को दे दे। दादाजी गुरुदेव अत्यंत सरल, दयालु और सेवा भाव से ओतप्रोत थे। उन्होंने विनम्रता पूर्वक कहा कि उनके पास पूड़ी रखी हुई है। तब उस वृद्ध संत ने वही भोजन उन्हें देने के लिए कहा। दादाजी ने श्रद्धा भाव से वह पूड़ी उन्हें अर्पित कर दी। भोजन ग्रहण करने के पश्चात दादाजी कुछ दूरी आगे बढ़े, किंतु जब पीछे मुड़कर देखा तो वह वृद्ध महात्मा वहां कहीं दिखाई नहीं दिए। आसपास दूर-दूर तक कोई नहीं था। यह दृश्य देखकर दादाजी आश्चर्यचकित रह गए। उनके अंतर्मन में दिव्य अनुभूति जागृत हुई और उन्हें आभास हुआ कि वे कोई सामान्य व्यक्ति नहीं, बल्कि स्वयं धूनी वाले दादाजी थे, जिन्होंने उन्हें दर्शन दिए थे। उसी रात्रि दादाजी गुरुदेव को एक दिव्य स्वप्न प्राप्त हुआ। स्वप्न में धूनी वाले दादाजी ने आदेश देते हुए कहा "मेरे धूनी स्थल पर नारियल से हवन करो और अखंड धूनी को प्रज्वलित रखो। प्रातःकाल होते ही दादाजी ने गांव में रहने वाले मदन नामदेव जी को बुलाकर कहा कि साईंखेड़ा में जितने भी नारियल उपलब्ध हों, उन्हें एकत्रित किया जाए। गांव के लोगों ने इसे एक दिव्य प्रेरणा समझकर श्रद्धा भाव से सहयोग किया। देखते ही देखते तीन बोरे नारियल एकत्रित हो गए।

अगले दिन सोमवार को अखंड धूनी स्थल पर चौबीस घंटे तक निरंतर नारियल से हवन किया गया। वातावरण वैदिक मंत्रों, भक्ति और दिव्य ऊर्जा से गुंजायमान हो उठा। भक्तों ने अनुभव किया कि वहां अद्भुत आध्यात्मिक शक्ति का संचार हो रहा है। उसी दिन से दादाजी गुरुदेव को धूनी वाले दादाजी का निरंतर आशीर्वाद एवं दिव्य सान्निध्य प्राप्त होने लगा। कहा जाता है कि वे किसी भी समय उनका स्मरण कर उनसे आध्यात्मिक मार्गदर्शन प्राप्त कर सकते थे। यह घटना केवल एक चमत्कार नहीं, बल्कि गुरु कृपा, श्रद्धा और समर्पण की जीवंत मिसाल है। दादाजी गुरुदेव ने अपने संपूर्ण जीवन में मानव सेवा, धर्म रक्षा, गौसेवा, भक्ति और लोककल्याण को सर्वोच्च स्थान दिया। उनके जीवन से यह शिक्षा मिलती है कि सच्ची श्रद्धा, सेवा और निष्काम भाव से किया गया कार्य ईश्वर तक अवश्य पहुंचता है और दिव्य कृपा का मार्ग प्रशस्त करता है।

-ज्वाला प्रसाद नामदेव

महापौर मालती राय का जन्म दिन साहू समाज बी एच ई एल इकाई के सानिध्य में फल वितरण कर वरिष्ठ जन का आशीर्वाद प्राप्त किया

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

महापौर मालती राय का जन्म दिन साहू समाज बी एच ई एल इकाई के सानिध्य में फल वितरण कर वरिष्ठ जन का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस कार्यक्रम में सेवा भारती आनंद धाम के सभी पदाधिकारी के साथ साहू समाज बी एच ई एल इकाई के अध्यक्ष विकास साहू, भा ज पा के वरिष्ठ नेता नारायण सिंह साहू, संरक्षक हरप्रसाद साहू, कार्य वाहक अध्यक्ष राजकिशोर साहू, अति महासचिव इंजीनियर लोकेश साहू, कार्यालय सचिव, प्रेम किशोर साहू, इलेक्ट्रॉनिक एसोसिएशन भोपाल के उपाध्यक्ष कपिल साहू, एडवोकेट महाराणा प्रताप नगर के सुरेंद्र साहू।

खजूरी कला रोड पर मानकों के विपरीत बने स्पीड ब्रेकरों को लेकर AIBEU-NFITU ने उठाई आवाज

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

बीएचईएल भोपाल की सेटेलाइट कॉलोनियों को जोड़ने वाली खजूरी कला रोड पर बने अत्यधिक ऊँचाई वाले एवं बिना संकेतक के स्पीड ब्रेकरों को लेकर प्रतिनिधि यूनियन AIBEU-NFITU लगातार सक्रिय है। इसी क्रम में आज दिनांक 20 मई 2026, बुधवार को यूनियन का एक प्रतिनिधिमंडल जीएम (एचआर) श्री टी. यू. सिंह एवं एजीएम (एचआर/आईआर) श्रीमती सुरेखा बंछौर से मिला और कर्मचारियों की सुरक्षा से जुड़ी इस गंभीर समस्या से अवगत कराया।

यूनियन पदाधिकारियों ने बताया कि इससे पूर्व 19 मई 2026 को नगर प्रशासन के अपर महाप्रबंधक श्री प्रशांत पाठक से भी इस संबंध में चर्चा की जा चुकी है। साथ ही AIBEU-NFITU के पदाधिकारियों द्वारा स्वयं मौके पर पहुंचकर स्पीड ब्रेकरों का निरीक्षण भी किया गया।

प्रतिनिधिमंडल में यूनियन अध्यक्ष श्री सतेन्द्र कुमार, कार्यवाहक अध्यक्ष श्री आशीष सोनी, कोषाध्यक्ष श्री विशाल वाणी, चिकित्सा सलाहकार समिति सदस्य श्री रमेश कुराड़िया एवं नगर सलाहकार समिति सदस्य श्री रामानंदन सिंह शामिल रहे।

यूनियन ने बताया कि मेट्रो परियोजना से जुड़ी निर्माण एजेंसी द्वारा खजूरी कला रोड पर कई स्थानों पर अत्यधिक ऊँचाई वाले स्पीड ब्रेकर बना दिए गए हैं, जो निर्धारित इंजीनियरिंग मानकों एवं आईआरसी गाइडलाइंस के अनुरूप नहीं हैं। इन स्पीड ब्रेकरों पर किसी प्रकार के रिफ्लेक्टिव पेंट या चेतावनी संकेतक नहीं लगाए गए हैं, जिससे विशेष रूप से रात के समय दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।

AIBEU-NFITU ने प्रबंधन एवं संबंधित अधिकारियों से मांग की है कि कर्मचारियों एवं आम नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इन स्पीड ब्रेकरों को निर्धारित मानकों के अनुसार सुधारा जाए तथा आवश्यक स्थानों पर रिफ्लेक्टिव पेंट एवं चेतावनी बोर्ड लगाए जाएं।

यूनियन ने कहा कि वह सदैव कर्मचारियों के हित एवं सुरक्षा के मुद्दों को गंभीरता से उठाती रही है और आगे भी कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान हेतु निरंतर प्रयासरत रहेगी।

लघुकथा लेखन में आलोचना बहुत ज़रूरी -मनमोहन चौरे

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

'साहित्य सृजन में जहां प्रशंसा अच्छा लिखने की। प्रेरणा देती है वही आलोचना लेखन में निखार लाती है, लेखन में यथार्थ और कल्पना के मध्य संतुलन ज़रूरी लेखक पाठकों को ऐसे अपनी बात परोसे की वह उसके गले उतर जाये |

'यह उदगार हैं वरिष्ठ साहित्यकार मनमोहन चौरे के जो लघुकथा शोध केंद्र समिति भोपाल। द्वारा आयोजित ऑन -लाइन साप्ताहिक बुधवारीय गूगल गोष्ठी के आयोजन में अंजू निगम के लघुकथा पाठ पर आयोजित विमर्श में मुख्य वक्ता के रूप में बोल रहे थे | इस आयोजन में लघुकथाकार अंजू निगम ने ब्यौरा, अन्न, नया दौर, मन्नत और पॉकेट मनी लघुकथाओं का प्रभावी पाठ किया | इन विविध विषयी समसामयिक लघुकथाओं पर डॉ आदर्श प्रकाश, अनिल। कुमार, संदीप तोमर, नितिन उपाध्याय ने अपनी संक्षिप्त किन्तु महत्वपूर्ण टिप्पनियां प्रस्तुत की कार्यक्रम। का सफल। और सरस संचालन अंजू खरबन्दा ने किया कार्यकम। के अंत में लघुकथा लेखिका अंजू ने सभी का आभार प्रकट किया |

तुलसी साहित्य अकादमी जिला शाखा भोपाल द्वारा पवन पुत्र हनुमान जी पर केन्द्रित ऑनलाइन काव्य गोष्ठी

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

"तुम हो कलयुग में भगवान, हमारी पर राखें रइओ जू" - तुलसी साहित्य अकादमी जिला शाखा भोपाल द्वारा पवन पुत्र हनुमान जी पर केन्द्रित ऑनलाइन काव्य गोष्टी डॉ मोहन तिवारी आनंद, राष्ट्रीय अध्यक्ष तुलसी साहित्य अकादमी की अध्यक्षता में की आयोजित की गई जिसमें मुख्य अतिथि श्री अंजनी कुमार शर्मा संभागीय अध्यक्ष तुलसी साहित्य अकादमी संभाग भागलपुर रहे तथा विशेष अतिथि प्रो. सुरेंद्र सिन्हा अंजलि छतरपुर थे। सारस्वत अतिथि डॉ. आर.पी. तिवारी राजेंद्र जी टीकमगढ़ रहे तथा गोष्ठी का संचालन डॉ अशोक तिवारी अमन, अध्यक्ष तुलसी साहित्य अकादमी जिला शाखा भोपाल ने किया।

गोष्टी हेतु लगभग 45 काव्य मनीषियों ने अपने नाम दिए किंतु इंटरनेट की कमी के कारण केवल 30 कवियों से ही रचना पाठ कराया जा सका।

कार्यक्रम का शुभारम्भ - डा.संध्या निगम झांसी द्वारा सरस्वती वंदना पाठ से किया गया।

गोष्ठी का आगाज़ कल्याण दास साहू पोषक पृथ्वीपुर जिला निवाड़ी मध्यप्रदेश ने किया उन्होंने सुनाया-

हनुमान बजरंगबली, मां अंजलि के लाल।
अवतारी प्रभु रुद्र के, असुरों के हैं काल।

सीताराम साहू निर्मल छतरपुर,
डॉ सलमा जमाल जबलपुर ,
दीपक गर्ग गाज़ियाबाद ,
शिव कुमार गुप्ता निवाड़ी ,
हरिमोहन राय जो चित्रकूट,
अशोक गौतम जी भोपाल ,
अंजनी कुमार चतुर्वेदी,
पूरन चंद्र गुप्ता पूरन टीकमगढ़ ,
ने अपनी अपनी रचनाओं का पाठ किया।

कु. प्रवल प्रताप सिंह ग्रेटर नोएडा ने सुनाया - प्रभु तुमको भजते रहे, पवन पुत्र हनुमान। मेरे दुःख तुम ही हरो, मुझको सेवक जान।

रामबल्लभ गुप्त इंदौरी ने सुनाया - हनुमान जी लाहौर में, लव की नगरी लाहौर में।

कविता जैन कुहुक ने कोरबा ने सुनाया - भक्त शशिरोमणि हैं हनुमत हरें सब संकट साधक जानें, दृष्टि रही रघुनंदन के पग सेवक ही निज को वह माने ll

डॉ एम एस श्रीवास्तव पृथ्वीपुर ने सुनाया - लौट अइयों बिना दिन ऊबै पवनसुत, बूटी लैकै आ जइयो।

विनय कुमार झा गाजियाबाद,ने सुनाया - जय जय श्री राम भक्त हनुमान,विकट संकट में रक्षा करते।

डॉ मंजुला साहू निर्भीक रायपुर ने सुनाया - भव सागर को पार कराते, दीन दुखी के तुम हितकारी।

सच्चिदानंद किरण भागलपुर ,
डॉ राजेश तिवारी मक्खन ने झांसी, अनुराधा गर्ग जबलपुर,
डॉ माया शुक्ला समीर ,
अंजनी कुमार तिवारी सुधाकर, बिलासपुर ने रचना पाठ किया।, डॉ अशोक तिवारी "अमन" अध्यक्ष तुलसी साहित्य अकादमी भोपाल ने सुनाया - मेरे मन में रहते हनुमत, प्राणों में बसते श्रीराम, कण कण में श्री राम राजते, जन जन के प्यारे हनुमान ll

अंजनी कुमार शर्मा जी मुख्य अतिथि जी ने सुनाया - जय बजरंगबली हनुमान, हैं करूणानिधान, जगत के पालनहार सबके हैं भगवान।

डा.शिव कुमार दीवान महासचिव तुलसी साहित्य अकादमी ने हनुमानजी पर केन्द्रित दोहों का पाठ किया।

अंत में डॉ मोहन तिवारी आनंद जी राष्ट्रीय अध्यक्ष तुलसी साहित्य अकादमी जी ने अपना सारगर्भित उद्बोधन दिया एवं एक गीत सुनाया जिसके बोल हैं -

तुम हो कलयुग के भगवान,
हमारी पत राखें रेइओ जू।

कार्यक्रम के अंत में शिव कुमार दीवान राष्ट्रीय महासचिव सचिव तुलसी साहित्य अकादमी भोपाल द्वारा सभी का हार्दिक आभार एवं धन्यवाद के साथ कार्यक्रम संपन्न होने की घोषणा की गई।

बंगाल जैसा एसआईआर विवाद पंजाब, दिल्ली में!

देश के 16 राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर का ऐलान हो गया है। अगले महीने से इसकी प्रक्रिया शुरू होगी। इस बार पंजाब और दिल्ली नया पश्चिम बंगाल बनने वाले हैं। जिस तरह से पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर के दौरान विवाद हुआ वैसी ही तीव्रता का विवाद पंजाब और दिल्ली में हो सकता है। बंगाल में विवाद का कारण यह था कि वहां 27 फीसदी से ज्यादा आबादी मुस्लिम है और इलाका सीमावर्ती है, जहां बांग्लादेश से घुसपैठ की चर्चा दशकों से होती रही है। तभी दूसरे राज्यों के मुकाबले में बंगाल में विवाद ज्यादा हुआ। दूसरे राज्यों के मुकाबले बंगाल में तार्किक विसंगति को लेकर विवाद हुआ। इस श्रेणी में चुनाव आयोग ने 27 लाख से ज्यादा नाम डाल दिए और उनके नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए। इन कारणों के अलावा बंगाल में ज्यादा विवाद का एक कारण ममता बनर्जी और उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस भी थी। दोनों अब भी एसआईआऱ पर लड़ ही रहे हैं। दिल्ली और पंजाब में विवाद का कारण अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी बनेगी। ध्यान रहे राजधानी दिल्ली में भी घुसपैठ का मुद्दा पुराना है। बंगाल के जैसी तो नहीं लेकिन दिल्ली में भी मुस्लिम आबादी बड़ी है। करीब 13 फीसदी मुस्लिम आबादी है और आधा दर्जन सीटें ऐसी हैं, जो पूरी तरह से मुस्लिम बहुलता वाली हैं। इनके अलावा एक दर्जन सीटों पर मुस्लिम मतदाता निर्णायक होते हैं। सो, दिल्ली में भी एसआईआर में नाम कटते हैं या तार्किक विसंगति के आधार पर नाम रोके जाते हैं तो जैसे ममता बनर्जी लड़ती थीं वैसे केजरीवाल लड़ेंगे। पंजाब और दिल्ली दोनों जगह केजरीवाल अपने कोर वोट को बचाने का भरपूर प्रयास करेंगे। इस प्रयास में विवाद स्वाभाविक हैं। पंजाब में तो आप के साथ साथ कांग्रेस, भाजपा, अकाली दल और नई बनी पार्टी वारिस पंजाब दे के बूथ लेवल एजेंट्स की तैयारी शुरू हो गई है। वहां भी एक एक नाम के लिए लड़ाई होगी।

सुप्रीम कोर्ट के अंतर्विरोध!

सुप्रीम कोर्ट के निर्णय की सुप्रीम कोर्ट की तरफ से ही आलोचना आए, यह असाधारण है। इससे खालिद और इस्लाम के लिए क्यूरेटिव पीटीशन डालने का रास्ता खुला है। मगर मामला उससे कहीं अधिक महत्त्वपूर्ण है। सुप्रीम कोर्ट के तीन जजों की बेंच की बेंच ने एक पैमाना तय किया, मगर उसके बाद दो जजों की खंडपीठ ने उसकी अनदेखी कर दी। अब दो न्यायाधीशों की एक अलग पीठ ने उन दो जजों वाली बेंच के निर्णय की आलोचना की है और तीन न्यायाधीशों वाली पूर्व बेंच के निर्णय के अनुरूप आगे बढ़ी है। इससे जाहिर होता है कि सर्वोच्च न्यायालय के जज भी लिखित कानून और उसकी भावना की व्याख्या वस्तुगत आधार पर नहीं करते, बल्कि निर्णयों पर उनकी मनोगत राय हावी हो जाती है। चूंकि ये मामला सीधे नागरिकों के मौलिक अधिकार से जुड़ा हुआ है, इसलिए ऐसी मनोगत व्याख्याएं न्याय की अपेक्षा पर प्रहार महसूस होने लगती हैं।

2021 में तीन जजों की बेंच ने निर्णय दिया कि यूएपीए के तहत गिरफ्तार व्यक्ति लंबे समय से कैद हो, और उसके मामले की सुनवाई नहीं हो रही हो, तो उसके मामले में भी 'जेल अपवाद एवं बेल नियम' का सिद्धांत लागू होगा। मगर उमर खालिद और शरजील इस्लाम के मामले में उपरोक्त शर्तें मौजूद होने के बावजूद दो जजों की बेंच ने उन्हें जमानत नहीं दी। अब न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की बेंच ने 2021 के निर्णय का हवाला देते हुए यूएपीए के तहत गिरफ्तार सईद इफ्तिखार अंदराबी को जमानत दे दी है। साथ ही उसने खालिद और इस्लाम की जमानत अर्जी खारिज करने के जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस एन.वी. अंजारिया के निर्णय की आलोचना की है। उसने यह उल्लेख भी किया कि यूएपीए के तहत सजा होने की दर महज 2 से 6 प्रतिशत है। इन टिप्पणियों का संदेश है कि खालिद और इस्लाम जमानत पाने के हकदार हैं। सुप्रीम कोर्ट के निर्णय की इस तरह सुप्रीम कोर्ट की तरफ से ही आलोचना आए, यह असाधारण घटना है। बेशक, इससे खालिद और इस्लाम के लिए क्यूरेटिव पीटीशन डालने का रास्ता खुला है। मगर प्रकरण उससे कहीं अधिक दूरगामी महत्त्व का है। इससे यूएपीए के तहत जमानत को लेकर भ्रम गहराया है। अतः बेहतर होगा, सुप्रीम कोर्ट इस मुद्दे पर पांच जजों की बेंच गठित करे, ताकि जमानत के स्पष्ट दिशा-निर्देश तय हो सकें।

दुनिया का नया दरबारः बीजिंग!

इस मई बीजिंग में दिलचस्प दृश्य, नजारा है। डोनाल्ड ट्रंप का 'ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल' में स्वागत हुआ। उन्होंने 21 तोपों की सलामी, सैन्य बैंड और अमेरिकी-चीनी झंडे लहराते स्कूली बच्चों की सधी हुई पंक्तियों के बीच प्रवेश किया। कैमरे एक साथ घूमे। लाल कालीन के किनारे खड़े अधिकारी मशीन की तरह ताली बजाते हुए। आखिर एक दशक बाद कोई अमेरिकी राष्ट्रपति चीन यात्रा पर था। कुछ ही दिनों बाद रूस के व्लादिमीर पुतिन भी उसी शहर में पहुँचे। पर मॉस्को ने इसे "रूटीन डिप्लोमेसी" कहा है। रूटीन। यही मौजूदा विश्व राजनीति का खुलासा करने वाला असल शब्द है! क्योंकि शीत युद्ध के बाद की दुनिया में, एक ही सप्ताह के भीतर अमेरिका और रूस — दोनों के नेताओं का चीन पहुँचना, कोई साधारण कूटनीतिक घटना नहीं है। जी-20 जैसे बहुपक्षीय मंचों या संयुक्त राष्ट्र की संस्थागत छतरी से बाहर, ऐसा दृश्य कभी सामान्य नहीं माना जाता था। लेकिन आज यह न तो असंभव लगता है, न चौंकाने वाला। एक दशक पहले तक वॉशिंगटन निर्विवाद वैश्विक केंद्र हुआ करता था। राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री अमेरिका जाते थे क्योंकि वहीं संकट सुलझते थे, गठबंधन तय होते थे और विश्व व्यवस्था की अनौपचारिक भाषा लिखी जाती थी। आज कूटनीतिक आवाजाही का भूगोल बदल चुका है। अब स्वयं वॉशिंगटन बीजिंग की ओर देखता है, सिर्फ व्यापार समझौतों के लिए नहीं बल्कि सप्लाई चेन, दुर्लभ खनिजों, विनिर्माण निर्भरता और यहाँ तक कि होरमुज़ जलडमरूमध्य जैसे सामरिक दबावों के संदर्भ में भी। धीरे-धीरे यह स्पष्ट होने लगा है कि चीन अब केवल प्रतिस्पर्धी शक्ति नहीं है। वह ऐसी ताकत बन चुका है जिसके सहयोग से बचना देशों के लिए संरचनात्मक रूप से कठिन होता जा रहा है। और शी जिनपिंग, चाइनीज़ थिंक-टैंक का कमाल था, जो उन्होंने पश्चिमी दुनिया को ज्ञान दिया कि उनकी सभ्यता क्या होती हुई है! शी जिनपिंग ने ट्रंप की यात्रा के दौरान "थ्यूसिडाइड्स ट्रैप" का वह हवाला दिया, जिसे पहले तो ट्रंप समझ नहीं पाए और न उनके कूटनीतिज्ञ। फिर जब समझे, तो ट्रंप खिसियाते हुए थे। "थ्यूसिडाइड्स ट्रैप" अवधारणा प्राचीन यूनानी इतिहासकार थ्यूसिडाइड्स की है। उन्होंने History of the Peloponnesian War में लिखा था कि एथेंस के उभार और उससे स्पार्टा में पैदा हुए भय ने युद्ध को लगभग अपरिहार्य बना दिया था। आधुनिक यथार्थवादी विचारकों ने इसी ढाँचे का उपयोग अमेरिका और उभरते चीन के बीच संरचनात्मक तनाव को समझाने के लिए भी किया है। जॉन मीयर्शाइमर के "ऑफेंसिव रियलिज़्म" ने इस तर्क को धार दी है। इसका अर्थ है कि स्थापित महाशक्ति अपने प्रभाव क्षेत्र में किसी दूसरी शक्ति को इतना प्रभावशाली होते नहीं देखना चाहती कि वह प्रभुत्व स्थापित कर सके। दूसरी ओर, उभरती शक्ति अपनी क्षमता हासिल करने के बाद विस्तार रोकना नहीं चाहती। इस सोच में प्रतिद्वंद्विता किसी नीति की विफलता या कूटनीतिक गलतफहमी नहीं, बल्कि शक्ति संरचना की स्वाभाविक परिणति होती है। शी जिनपिंग इस वैचारिक साहित्य को भलीभाँति समझते हैं। इसलिए बीजिंग में उनके शब्द इतने भारी लगे। अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ बैठकर उन्होंने सार्वजनिक रूप से पूछा कि क्या चीन और अमेरिका "कथित थ्यूसिडाइड्स ट्रैप" से ऊपर उठकर "महाशक्तियों के संबंधों का नया प्रतिमान" बना सकते हैं। सतह पर यह संवाद सहयोगात्मक लगेगा। लेकिन भीतर यह कहीं अधिक गहरी बात कह रहा था।

चीन अब उस विकासशील देश की तरह बात नहीं कर रहा था, जो अमेरिकी नेतृत्व वाली व्यवस्था में जगह माँग रहा हो। वह एक सभ्यता-स्तरीय राष्ट्र की तरह बोल रहा था, जो स्वयं को वॉशिंगटन के बराबर और शायद आने वाली सदी का उत्तराधिकारी, अमेरिका की जगह लेने वाला मानने लगा है। असल दिलचस्प बात यह है कि पश्चिम के यथार्थवादी (रियलिज़्म) विचारकों ने प्रतिद्वंद्विता का अनुमान तो सही लगाया, पर चीन के उभार के तरीके को पूरी तरह न समझ पाए, और न समझ पा रहे हैं। बीजिंग ने सोवियत संघ की तरह अमेरिकी व्यवस्था को बाहर से चुनौती नहीं दी। उसने उसी व्यवस्था के भीतर प्रवेश किया, जिसे शीत युद्ध के बाद वॉशिंगटन ने बनाया था, और धीरे-धीरे खुद को उसके लिए अनिवार्य बना लिया। पहले लगभग अदृश्य तरीके से। फिर लगातार धैर्य के साथ। चीन के शेन्ज़ेन के कारखानों से लेकर अफ्रीका के बंदरगाहों तक, यह विस्तार धीरे-धीरे दिखाई देने लगा। चीन से कंटेनर जहाज़ों की कतारें लंबी होती गईं। एशियाई बंदरगाहों पर चीनी क्रेनें खड़ी होने लगीं। खाड़ी के कारोबारी अब सिर्फ डॉलर नहीं, युआन में भी संभावनाएँ गिनने लगे। मतलब वैश्वीकरण की धमनियों में — विनिर्माण, औद्योगिक सप्लाई चेन, बुनियादी ढाँचा वित्तपोषण, दुर्लभ खनिज, व्यापार मार्ग और उपभोक्ता बाजारों, सभी में चीन अब इस तरह समा गया है कि उसे अलग करना रणनीतिक कदम कम और आर्थिक आत्मघात अधिक लगने लगा। ठीक दूसरी तरफ वॉशिंगटन व्यापार युद्धों, संस्थागत थकान और राजनीतिक तमाशों में लगातार उलझा हुआ है। चीन ने इतिहास की लंबी घड़ी पर भरोसा रखने वाले राष्ट्र की ठंडी धैर्यशीलता के साथ निर्माण जारी रखा। महाद्वीपों में फैलाए बंदरगाह। एशिया, अफ्रीका और खाड़ी तक फैले उसके बेल्ट एंड रोड गलियारे। ग्लोबल साउथ में बढ़ते कूटनीतिक नेटवर्क। रेयर-अर्थ पर पकड़। सेमीकंडक्टर महत्वाकांक्षाएँ। यहाँ तक कि एक-दूसरे पर अविश्वास करने वाले देशों के बीच मध्यस्थ बनने की उसकी छवि भी धीरे-धीरे गढ़ी गई। चीन ने वह बात जल्दी समझ ली थी, जिसे पश्चिम बहुत देर से समझ पाया। इक्कीसवीं सदी में शक्ति केवल सबसे बड़ी सेना के पास नहीं होगी। बल्कि शक्ति उस देश के पास भी होगी, जो वैश्विक अर्थव्यवस्था की धुरी बन जाए, जिसके बिना व्यवस्था को चलाना कठिन और उससे टकराना अत्यधिक महँगा हो जाए। धीरे-धीरे आँकड़े भी वही कहानी कहने लगे, जिसकी राजनीतिक भूमिका शी जिनपिंग पहले से तैयार कर रहे थे। परचेजिंग पावर पैरिटी के हिसाब से चीन की अर्थव्यवस्था अमेरिका को पीछे छोड़ चुकी है और 2035 तक यह अंतर और बढ़ने का अनुमान है। ये आँकड़े People's Daily की राष्ट्रवादी सुर्खियों से नहीं आए। ये उन्हीं पश्चिमी संस्थानों से आए हैं, जिनकी वैचारिक रुचि बीजिंग की महत्वाकांक्षाओं को वैध ठहराने में नहीं है। दिशा वर्षों से दिखाई दे रही थी। पीछे रह गई थी केवल पश्चिमी राजनीतिक मानस की वह भावनात्मक तैयारी, जो इस सच्चाई को स्वीकार कर सके कि इक्कीसवीं सदी में शक्ति का केंद्र किस ओर खिसक रहा है। सो यथार्थवादियों ने प्रतिद्वंद्विता को सही पहचाना। लेकिन वे उस रास्ते को पूरी तरह नहीं समझ पाए, जिसके जरिए चीन ऊपर उठेगा। यही कारण है कि यह क्षण केवल वॉशिंगटन में नहीं, बल्कि यूरोप, एशिया और अब धीरे-धीरे भारत में भी मनोवैज्ञानिक असहजता पैदा कर रहा है। सरकार में चीन को माईबाप मानने का मानस बन रहा है। हालांकि अमेरिका के पास अद्वितीय सैन्य ताकत अब भी है। डॉलर अब भी वैश्विक वित्त का आधार है। सिलिकॉन वैली अब भी तकनीकी कल्पना को आकार देती है। लेकिन चीन अब ऐसी स्थिति में पहुँच चुका है, जहाँ वैश्विक अर्थव्यवस्था उसकी भागीदारी के बिना सहज रूप से चलती हुई नहीं दिखती। ट्रंप चीन पहुँचे सौदों, टैरिफ़ और लेन-देन की भाषा लेकर। जबकि शी जिनपिंग इतिहास परिवर्तन की भाषा बोल रहे थे। एक व्यक्ति मौजूदा व्यवस्था के भीतर बातचीत कर रहा था। दूसरा शांत स्वर में संकेत दे रहा था कि नई व्यवस्था बननी शुरू हो चुकी है। दुनिया अब भी इस शब्दावली से बचने की कोशिश कर सकती है — आदत, nostalgia या रणनीतिक असहजता के कारण। लेकिन वास्तविकता को छिपाना लगातार कठिन होता जा रहा है और होगा। शी जिनपिंग अब केवल सम्मेलनों में शामिल होने वाले नेता नहीं रह गए हैं। वे धीरे-धीरे उस भू-राजनीतिक मंच के केंद्र में बैठते दिख रहे हैं, जिसके चारों ओर बाकी शक्तियों को आकर खड़ा होना पड़ रहा है। उनकी डायरी भरी हुई है। वॉशिंगटन को उनका leverage चाहिए। मॉस्को को उनके बाजार चाहिए। यूरोप उनके साथ सावधानी से बातचीत करता है। खाड़ी देश उन्हें लुभा रहे हैं। ग्लोबल साउथ अब बीजिंग को वैकल्पिक शक्ति नहीं, बल्कि आवश्यक शक्ति की तरह देखने लगा है। बीजिंग की शामों में अब यह बदलाव दिखाई देने लगा है। विदेशी प्रतिनिधिमंडलों के मोटरकेड लगातार आते-जाते हैं। होटल लॉबी में अनुवादकों और सुरक्षा अधिकारियों की धीमी आवाजें घुली रहती हैं। कभी दुनिया जिन गलियारों को केवल अमेरिकी शक्ति का विस्तार मानती थी, वहाँ अब चीनी उपस्थिति स्थायी लगने लगी है। और जब अमेरिका और रूस दोनों के राष्ट्रपति एक ही सप्ताह में बीजिंग पहुँचते हैं तो किसी बहुपक्षीय सम्मेलन के लिए नहीं बल्कि शी जिनपिंग के सामने बैठने के लिए, तब बहस लगभग समाप्त हो जाती है।

यह अब किसी उभरती हुई शक्ति की मुद्रा नहीं है।

यह एक महाशक्ति का उभर चुका स्वरूप है।

-श्रुति व्यास

समीक्षा के बाद मंत्रियों पर फैसला!

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी सरकार में बड़ी फेरबदल कर सकते हैं। अगले महीने सरकार के दो साल पूरे होने वाले हैं। अभी तक दो साल में कोई बदलाव नहीं हुआ है। जानकार सूत्रों का कहना है कि मई के अंत तक या जून में बड़ा बदलाव हो सकता है। प्रधानमंत्री पांच देशों की यात्रा पर गए हैं। उनकी यात्रा अंतिम चरण में है। वे 20 मई को वापस लौटेंगे और 21 मई को मंत्रिपरिषद की बैठक बुलाई है। इस बार थोड़े अंतराल पर मंत्रिपरिषद की बैठक हो रही है। बताया जा रहा है कि प्रधानमंत्री मोदी अपने मंत्रियों से उनके मंत्रालय के कामकाज के बारे में बात करेंगे। वैसे सबकी रिपोर्ट उनको पहले मिल चुकी है। उस आधार पर मंत्रियों के कामकाज का आकलन कर लिया गया है। जानकार सूत्रों का कहना है कि कुछ मंत्रियों की विदाई तय है। यह भी कहा जा रहा है कि विदाई के कई पैमाने हैं। इनमें एक पैमाना कामकाज का भी है। यानी प्रधानमंत्री की उम्मीद के मुताबिक काम नहीं कर पाने या मंत्रालय की इमेज बहुत अच्छी नहीं बन पाने के आधार पर कुछ मंत्री विदा होंगे। इसके अलावा एक कसौटी अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव हैं। चुनावों के लिहाज से सामाजिक समीकरण को थोड़ा फाइन ट्यून किया जाएगा। हालांकि मोदी ने पहले ही अपनी सरकार में सामाजिक समीकरण का ध्यान रखा है। याद करें कैसे उन्होंने संसद में अपने मंत्रियों का परिचय कराया था तो बताया था कि इसमें कितने ओबीसी और कितने एससी, एसटी हैं। मोदी सरकार और भाजपा का दावा है कि इससे पहले कभी इतनी बड़ी संख्या में ओबीसी, एससी और एसटी मंत्री नहीं होते थे। इसके बावजूद राज्यों के चुनावों के हिसाब से सामाजिक व क्षेत्रीय संतुलन को फाइन ट्यून किया जाएगा।

ध्यान रहे अगले साल उत्तर प्रदेश का विधानसभा चुनाव है, जो भाजपा के लिए बहुत अहम है। 2024 लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में पार्टी का प्रदर्शन बहुत खराब रहा था। उसने लगभग आधी सीटें गंवा दी थी। तभी 2027 का चुनाव अहम होगा क्योंकि उसके बाद 2029 के लोकसभा चुनाव की तैयारी शुरू हो जाएगी।

कामकाज और सामाजिक व क्षेत्रीय संतुलन की कसौटी के अलावा एक कसौटी उम्र, सक्रियता और राजनीतिक महत्व की भी होगी। नरेंद्र मोदी की मौजूदा सरकार में कई मंत्री हैं, जो अब 70 साल की सीमा पर पहुंच गए हैं या पार कर गए हैं। वे शारीरिक रूप से बहुत सक्षम नहीं हैं। उनके बारे में यह भी धारणा है कि सरकार की छवि बेहतर करने में उनका कोई योगदान नहीं है। उलटे उनकी वजह से नैरेटिव निगेटिव हो रहा है। सरकार को सोशल मीडिया में बन रही छवि का भी ध्यान रखना है। कई अलग अलग फैसलों या अपने बयानों या सोशल मीडिया पोस्ट की वजह से कई मंत्री निशाने पर हैं। एकाध मंत्री तो ऐसे हैं, जिनके खिलाफ राइटविंग इकोसिस्टम ही पीछे पड़ा है।

कई मंत्री हैं, जो मोदी की तीनों सरकारों में रहे हैं और अब कुछ नया नहीं कर पा रहे हैं। बताया जा रहा है कि इन तीन कसौटियों पर मंत्रियों की सूची बनी है। जानकार सूत्रों का कहना है कि ऐसे नेताओं को सरकार में लाने की योजना है, जो आगे 10 साल तक काम कर सकें। जिस तरह राज्यों में नए चेहरों को आगे किया गया है उसी तरह से केंद्रीय राजनीति में भी भाजपा नए चेहरों को आगे करेगी। मोदी सरकार में और नितिन नबीन की संगठन की टीम में नए नेता लाए जाएंगे। मंत्रिमंडल और संगठन दोनों में फेरबदल से उसी तरह चौंकाया जा सकता है, जिस तरह नितिन नबीन के नाम से चौंकाया गया था।

रिश्तों की खामोशी, अवसाद की चीख!

हमें फिर से 'ठहरना' सीखना होगा। बिना मोबाइल के, बिना किसी एजेंडा के। हमें फिर से पूछना होगा, "कैसे हो?" रिश्ते समय मांगते हैं, उपस्थिति मांगते हैं, और सबसे बढ़ कर। साथ मांगते हैं। समय भी। यदि हम यह नहीं कर पाए, तो आने वाले समय में अवसाद केवल एक चिकित्सकीय समस्या नहीं रहेगा, बल्कि एक सामाजिक महामारी बन जाएगा। जहां लोग बाहर से सामान्य दिखेंगे, पर भीतर से टूटे हुए होंगे।

हम एक विचित्र समय में जी रहे हैं, जहां सूचना का शोर बढ़ता जा रहा है। पर संवाद का सन्नाटा गहराता जा रहा है। मनुष्य, जो मूलतः एक सामाजिक प्राणी है, अब अपने ही बनाए वर्चुअल संसार में कैद होता जा रहा है। यह कैद दिखती नहीं, पर भीतर से लगातार तोड़ती रहती है। साथ-संगत खत्म हो रही है। यह केवल एक भावुक वाक्य नहीं, बल्कि हमारे समय की सामाजिक सच्चाई है। पहले जीवन 'मिलने' से चलता था। अब 'दिखने' से चल रहा है। दोस्ती अब बैठकों में नहीं, स्टोरीज़ में दर्ज होती है। परिवार अब साथ बैठकर नहीं, एक-दूसरे की पोस्ट लाइक करके जुड़ा रहता है। संवाद, जो रिश्तों का प्राण था, अब सूचना के आदान-प्रदान में सिमट गया है। यहां सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या हम सचमुच 'जुड़े' हुए हैं? या केवल 'जुड़े होने' का भ्रम पाल रहे हैं? लखनऊ का 'विक्रमादित्य मार्ग' हो या दिल्ली का कोई मोहल्ला (रिश्तेदार, भाई-पट्टीदार, पड़ोसी) सब भौगोलिक रूप से पास हैं, लेकिन भावनात्मक रूप से दूर। महीनों तक कोई हालचाल नहीं। यह दूरी केवल व्यस्तता की नहीं है, बल्कि प्राथमिकताओं की है। हमें सुदूर 'होर्मुज स्ट्रेट' की खबर है। वैश्विक राजनीति की समझ है। पर अपने घर के भीतर चल रहे मौन संघर्षों का ज्ञान नहीं। यह चयनित संवेदनशीलता हमारे समय की सबसे बड़ी विडंबना है। आज 'स्पेस' के नाम पर हमने दूरी को वैधता दे दी है। हर व्यक्ति अपने 'इको चेम्बर' में कैद है, जहां केवल वही विचार, वही भाव, वही छवियां हैं जो उसे सहज लगती हैं। असहमति, असुविधा, और असली संवाद से बचने की यह प्रवृत्ति धीरे-धीरे हमें आत्मकेंद्रित और संवेदनहीन बना रही है। पर, इसका कारण क्या है? जानकार बताते हैं। इसका सीधा संबंध मानसिक स्वास्थ्य से है। मानसिक स्वास्थ्य का वैश्विक संकट आज चरम पर है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की 2025 रिपोर्ट बताती है कि एक अरब से अधिक लोग मानसिक विकारों से जूझ रहे हैं। वैश्विक आबादी का लगभग 12 से 14 प्रतिशत! इनमें चिंता और अवसाद प्रमुख हैं, जो महिलाओं को अधिक प्रभावित करते हैं। युवाओं में आधी समस्याएं 18 वर्ष से पूर्व ही शुरू हो जाती हैं। युवाओं के लिए स्थिति भयावह है। आत्महत्या 15 से 29 आयु वर्ग में प्रमुख मृत्यु कारणों में शुमार है, जो वैश्विक स्तर पर सालाना सात लाख से अधिक मौतों का कारण है। फिर भी, अधिकांश प्रभावित व्यक्ति इलाज से वंचित रहते हैं। खासकर निम्न, मध्यम आय वाले देशों में 75 प्रतिशत से अधिक। भारत इस महासंकट से अछूता नहीं। राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण (2015-16) के अनुसार, 10.6 प्रतिशत वयस्क (लगभग 14-15 करोड़) मानसिक विकारों से पीड़ित हैं, जिनमें 70 से 92 प्रतिशत बिना इलाज के जी रहे हैं। एनसीआरबी की 2023 रिपोर्ट में 1.71 लाख आत्महत्या के मामले दर्ज हुए, जिसमें दर एक लाख पर 12.3 व्यक्ति की रही। पारिवारिक समस्याएं, बीमारी और मानसिक तनाव प्रमुख कारण। याद रखिए यह संकट जैविक (आनुवंशिक, रासायनिक असंतुलन), मनोवैज्ञानिक (तनाव, आघात) और सामाजिक कारकों (अकेलापन, डिजिटल लत, कोविड प्रभाव, रिश्तों का क्षरण) से उपजा है। डिजिटल युग में पारिवारिक दूरी और सोशल मीडिया की लत ने इसे और गहरा दिया है। भारत जैसे समाज, जो पारिवारिक और सामुदायिक संरचनाओं पर आधारित रहा है, वहां यह संकट और भी जटिल है। क्योंकि यहां समस्या केवल व्यक्ति की नहीं, तंत्र की है। रिश्तों के क्षरण की है। प्रतीक यादव जैसे उदाहरण केवल व्यक्तिगत त्रासदी नहीं हैं; वे सामाजिक संकेत हैं। जब कोई व्यक्ति अवसाद में जाता है, तो यह केवल उसकी आंतरिक कमजोरी नहीं होती, बल्कि उसके आसपास के सामाजिक ताने-बाने की भी विफलता होती है। हम यह पूछने से बचते हैं कि क्या हमने कभी समय निकालकर सचमुच किसी का हाल पूछा? क्या हमने कभी बिना किसी स्वार्थ के किसी के साथ बैठकर केवल 'सुना'? आज 'रील' ने 'रियल' को विस्थापित कर दिया है। हम क्षणों को जीने के बजाय उन्हें रिकॉर्ड करने में अधिक रुचि रखते हैं। अनुभव की जगह प्रदर्शन ने ले ली है। रिश्ते अब 'कंटेंट' बन गए हैं। और इस प्रक्रिया में उनका सत्व खो गया है। यहां समाज को आत्मनिरीक्षण करना होगा। हमें यह समझना होगा कि मानसिक स्वास्थ्य केवल दवाइयों या परामर्श का विषय नहीं है; यह सामाजिक संरचना का भी प्रश्न है। यदि संवाद समाप्त हो रहा है, तो अवसाद बढ़ेगा ही। यदि रिश्ते सतही हो रहे हैं, तो अकेलापन गहराएगा ही। समाधान बहुत जटिल नहीं हैं, पर वे आसान भी नहीं हैं। क्योंकि वे हमारी आदतों में बदलाव की मांग करते हैं। हमें फिर से 'ठहरना' सीखना होगा। बिना मोबाइल के, बिना किसी एजेंडा के। हमें फिर से पूछना होगा, "कैसे हो?" और उत्तर सुनने का धैर्य भी रखना होगा। हमें अपने इको चेम्बर से बाहर निकलकर असली दुनिया की असुविधाजनक, पर जीवन्त सच्चाइयों का सामना करना होगा। रिश्ते समय मांगते हैं, उपस्थिति मांगते हैं, और सबसे बढ़ कर। साथ मांगते हैं। समय भी। यदि हम यह नहीं कर पाए, तो आने वाले समय में अवसाद केवल एक चिकित्सकीय समस्या नहीं रहेगा, बल्कि एक सामाजिक महामारी बन जाएगा। जहां लोग बाहर से सामान्य दिखेंगे, पर भीतर से टूटे हुए होंगे। याद रखिए यह महामारी यह रिश्तों के क्षरण और मानवीय संवेदना का संकट है। समय है कि हम स्टिग्मा तोड़ें, बजट बढ़ाएं और समुदाय-आधारित देखभाल को अपनाएं। वरना यह चुपचाप लाखों जिंदगियां निगलता रहेगा। यह समय है, अपने भीतर झांकने का, अपने आसपास देखने का, और अपने लोगों तक लौटने का। क्योंकि अंततः, मनुष्य को मनुष्य ही बचा सकता है।

भारत और इटली ने विशेष रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की, रोम में मोदी - मेलोनी का मास्टरस्ट्रोक देख दुनिया हैरान

एजेंसी रोम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पांच देशों की कूटनीतिक यात्रा का अंतिम चरण इटली की राजधानी रोम में भारत और इटली के संबंधों के लिए ऐतिहासिक साबित हुआ। प्रधानमंत्री मोदी ने इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी और राष्ट्रपति सर्जियो मटारेला के साथ व्यापक वार्ता कर दोनों देशों के संबंधों को विशेष रणनीतिक साझेदारी के नए स्तर तक पहुंचाने का संकल्प व्यक्त किया। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी के साथ द्विपक्षीय मुलाकात के बाद संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि रोम को दुनिया में "अनंत शहर" के रूप में जाना जाता है और उनकी लोकसभा सीट काशी की पहचान भी इसी प्रकार की है। उन्होंने कहा कि जब दो प्राचीन सभ्यताएं मिलती हैं, तो बातचीत केवल किसी तय एजेंडे तक सीमित नहीं रहती, बल्कि उसमें इतिहास की गहराई, भविष्य की झलक और मित्रता की सहजता दिखाई देती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और इटली के बीच चर्चा केवल औपचारिक संबंधों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह साझा मूल्यों और दीर्घकालिक सहयोग की दिशा में आगे बढ़ रही है। बाइट।प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने प्रधानमंत्री मोदी की इस यात्रा को दोनों देशों के संबंधों के लिए ऐतिहासिक दिन बताया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2000 के बाद यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली द्विपक्षीय इटली यात्रा है और इस यात्रा ने लंबे अंतराल को समाप्त करते हुए संबंधों को नई गति दी है। मेलोनी ने कहा कि भारत और इटली के संबंध अब निर्णायक चरण में पहुंच चुके हैं और दोनों देश स्वतंत्रता, लोकतंत्र तथा साझा भविष्य की सोच के आधार पर विशेष रणनीतिक साझेदारी को मजबूत कर रहे हैं। हम आपको बता दें कि दोनों देशों ने रक्षा, समुद्री सुरक्षा, रणनीतिक प्रौद्योगिकी और आपूर्ति श्रृंखला जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई है। संयुक्त बयान में कहा गया है कि भारत और इटली आतंकवाद, साइबर अपराध, मानव तस्करी, अंतरराष्ट्रीय अपराध नेटवर्क और मादक पदार्थों की तस्करी जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए मिलकर काम करेंगे। इसके साथ ही महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों की

सुरक्षा और वैश्विक रणनीतिक स्थिरता को भी सहयोग का प्रमुख आधार बनाया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति सर्जियो मातारेला के साथ भी प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की। इस दौरान व्यापार, रक्षा, स्वच्छ ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, नवाचार और संयुक्त रणनीतिक कार्य योजना 2025-2029 के तहत सहयोग को आगे बढ़ाने पर चर्चा हुई। दोनों देशों ने दीर्घकालिक साझेदारी को और मजबूत करने का संकल्प दोहराया। हम आपको यह भी बता दें कि भारत और इटली ने विनिर्माण तथा निवेश के क्षेत्र में भी नई संभावनाओं को रेखांकित किया। दोनों नेताओं ने कहा कि "मेड इन इटली" और "मेक इन इंडिया" पहल के बीच स्वाभाविक तालमेल मौजूद है। इटली की डिजाइन क्षमता, उन्नत विनिर्माण और तकनीकी विशेषज्ञता को भारत की इंजीनियरिंग प्रतिभा, उद्यमिता और तेज आर्थिक विकास के साथ जोड़कर नई औद्योगिक साझेदारी विकसित की जाएगी। दोनों देशों ने वर्ष 2029 तक द्विपक्षीय व्यापार को 20 अरब यूरो से आगे ले जाने का लक्ष्य रखा है। रक्षा और अंतरिक्ष, मशीनरी, वाहन कलपुर्जे, औषधि, रसायन, वस्त्र, कृषि आधारित खाद्य उद्योग और पर्यटन को सहयोग के प्रमुख क्षेत्र माना गया है। दोनों पक्षों ने बताया कि एक हजार से अधिक भारतीय और इतालवी कंपनियां दोनों देशों में सक्रिय हैं, जिससे औद्योगिक एकीकरण लगातार मजबूत हो रहा है। यूरोपीय संघ और भारत के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते को भी व्यापार और निवेश बढ़ाने में महत्वपूर्ण बताया गया। इटली में भारत की राजदूत वाणी राव ने कहा कि यह यात्रा भारत और इटली के बढ़ते और गहरे होते संबंधों का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि दोनों देश रक्षा निर्माण, बंदरगाह, प्रतिभा आदान-प्रदान, ऊर्जा सुरक्षा और प्रौद्योगिकी सहयोग जैसे क्षेत्रों में दीर्घकालिक साझेदारी विकसित करेंगे। भारत चाहता है कि इतालवी कंपनियां देश को केवल बाजार नहीं, बल्कि रणनीतिक और तकनीकी साझेदार के रूप में देखें। हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा ऐसे समय में हुई है जब भारत वैश्विक स्तर पर आपूर्ति श्रृंखला, समुद्री सुरक्षा, ऊर्जा परिवर्तन और उभरती प्रौद्योगिकियों में अपनी भूमिका मजबूत करने की दिशा में सक्रिय है। इटली के व्यापारिक समुदाय ने भी उम्मीद जताई है कि इस यात्रा से दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश संबंधों को नई मजबूती मिलेगी। हम आपको बता दें कि रोम पहुंचने पर प्रधानमंत्री मोदी का भारतीय समुदाय, सांस्कृतिक कलाकारों और स्थानीय समर्थकों ने भव्य स्वागत किया। प्रधानमंत्री ने बच्चों से मुलाकात की, ऑटोग्राफ दिए और भारतीय संस्कृति पर आधारित विशेष प्रस्तुतियां भी देखीं। इतालवी कलाकारों ने भारतीय शास्त्रीय संगीत से प्रेरित प्रस्तुतियां दीं, जबकि भारत में वर्षों तक रह चुकी एक इतालवी कथक कलाकार ने नृत्य के माध्यम से प्रधानमंत्री का स्वागत किया। प्रधानमंत्री मोदी ने इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी के साथ रात्रिभोज किया और उसके बाद दोनों नेताओं ने रोम के ऐतिहासिक कोलोसियम का भी दौरा किया। औपचारिक वार्ता से पहले ही दोनों नेताओं के बीच विभिन्न वैश्विक और द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा हुई। कुल मिलाकर देखें तो प्रधानमंत्री मोदी की इटली यात्रा ने वैश्विक स्तर पर सुर्खियां बटोरीं और भारत में इसे लेकर तमाम तरह की राजनीति भी हुई।

200 साल पुराने अमेरिकी रिश्तों की गूंज, क्यों खास है मार्को रुबियो का कोलकाता कांसुलेट दौरा

एजेंसी नई दिल्ली

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो 23 से 26 मई तक अपने पहले आधिकारिक भारत दौरे पर आ रहे हैं। वह देश के अलग-अलग राज्यों का दौरा करेंगे। इस दौरान क्वाड साझेदारी, ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार और रक्षा सहयोग पर मुख्य रूप से चर्चा होने की उम्मीद है। जानकारी के अनुसार, मार्को रूबियो भारत यात्रा के दौरान कोलकाता, आगरा, जयपुर और दिल्ली जाएंगे। भारत दौरे के दौरान रुबियो कई वरिष्ठ भारतीय नेताओं और अधिकारियों से मुलाकात करेंगे। बातचीत में ऊर्जा सुरक्षा, क्षेत्रीय व्यापार, टैरिफ, सप्लाई चेन और रक्षा सहयोग जैसे अहम मुद्दे शामिल रहेंगे। 26 मई को नई दिल्ली में होने वाली क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में भी रुबियो हिस्सा लेंगे। इस बैठक में भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर, ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग और जापान के विदेश मंत्री मोतेगी तोशिमित्सु भी मौजूद रहेंगे। रुबियो के दौरे में कोलकाता को शामिल किए जाने को खास रणनीतिक संकेत माना जा रहा है। पूर्वी और उत्तर-पूर्वी भारत को अब इंडो-पैसिफिक रणनीति और वैश्विक व्यापार के लिहाज से महत्वपूर्ण क्षेत्र माना जा रहा है। यही वजह है कि अमेरिका इस क्षेत्र में अपनी कूटनीतिक और आर्थिक मौजूदगी को मजबूत करना चाहता है। अमेरिकी कूटनीति के इतिहास में कोलकाता का एक विशिष्ट स्थान है, क्योंकि यह दुनिया भर में सबसे पुराने अमेरिकी वाणिज्य दूतावासों में से एक है, और भारत में सबसे पुराना है। राष्ट्रपति जॉर्ज वाशिंगटन ने 19 नवंबर, 1792 को न्यूबरी पोर्ट के बेंजामिन जॉय को कोलकाता के लिए पहले अमेरिकी वाणिज्य दूत के रूप में नामित किया था। विदेश मंत्री थॉमस जेफरसन (जो बाद में अमेरिका के तीसरे राष्ट्रपति बने) की सलाह और सीनेट की मंजूरी के साथ, राष्ट्रपति वाशिंगटन ने 21 नवंबर, 1792 को जॉय को इस पद पर नियुक्त किया। हालांकि, जॉय अप्रैल 1794 में कोलकाता पहुंचे थे, लेकिन ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी ने उन्हें आधिकारिक कौंसुल का दर्जा नहीं दिया। इसके बावजूद उन्हें 'कमर्शियल एजेंट' के रूप में काम करने की अनुमति मिली। इसी के साथ भारत और अमेरिका के बीच आधिकारिक संबंधों की शुरुआत हुई। आज दो सदियों से ज्यादा समय बाद वही कोलकाता एक बार फिर भारत-अमेरिका रणनीतिक रिश्तों के केंद्र में दिखाई दे रहा है।

'UNSC में सुधार पर दबाई जा रही बहुमत की आवाज', भारत ने पाकिस्तान-इटली वाले समूह के खिलाफ खोला मोर्चा, उठाए सवाल

एजेंसी न्यूयॉर्क

भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार को लेकर चल रही बातचीत के रिकॉर्ड रखने के तरीके पर सवाल उठाए हैं। भारत का कहना है कि पिछली बैठक के दस्तावेज में स्थायी और अस्थायी सदस्यता बढ़ाने के समर्थन को सही तरीके से नहीं दिखाया गया। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी हरीश ने कहा कि ज्यादातर सदस्य देश सुरक्षा परिषद में दोनों तरह की सदस्यता बढ़ाने के पक्ष में हैं, लेकिन दस्तावेज में इसे सिर्फ 'महत्वपूर्ण समर्थन' बताना बहुमत की राय को सही ढंग से नहीं दिखाता। पी हरीश सुरक्षा परिषद सुधारों पर हुई इंटरगवर्नमेंटल नेगोशिएशंस (IGN) की बैठक में जी4 समूह की ओर से बोल रहे थे। जी4 में भारत, ब्राजील, जर्मनी और जापान शामिल हैं। ये देश सुरक्षा परिषद में सुधार और खुद को स्थायी सदस्य बनाने की मांग का समर्थन करते हैं। हरीश ने कहा, "जी-4 चाहता है कि इस सत्र का एलिमेंट्स पेपर सदस्य देशों की राय और भावना को सही और निष्पक्ष तरीके से दिखाए।" उन्होंने कहा कि अभी तक बातचीत के लिए कोई आधिकारिक ड्राफ्ट टेक्स्ट तैयार नहीं हो पाया है, क्योंकि कुछ देशों का छोटा समूह इसका विरोध कर रहा है। ऐसे में 'एलिमेंट्स पेपर' ही बातचीत को आगे बढ़ाने का एकमात्र तरीका बन गया है, जिसमें अलग-अलग सुधार

प्रस्तावों के समर्थन का जक्रि किया जाता है। पिछले सत्र में अफ्रीकी देशों की संयुक्त मांग पर चर्चा हुई थी, जिसमें स्थायी और अस्थायी दोनों तरह की सीटें बढ़ाने की बात कही गई थी। इस प्रस्ताव को काफी देशों का समर्थन मिला था। "यूनाइटिंग फॉर कंसेंसस" (UFC) नाम का एक छोटा समूह स्थायी सदस्यता बढ़ाने का विरोध करता है। यह समूह प्रक्रिया से जुड़े नियमों का इस्तेमाल करके बातचीत के आधिकारिक ड्राफ्ट को आगे बढ़ने से रोकता रहा है। इस समूह की अगुवाई इटली करता है और पाकिस्तान भी इसका खुलकर समर्थन करने वाले देशों में शामिल है। हरीश ने कहा कि जी4 पहले ही साफ कर चुका है कि एक संयुक्त मॉडल तैयार करके टेक्स्ट आधारित बातचीत शुरू होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि ऐसा मॉडल पूरी निष्पक्षता से तैयार होना चाहिए और इसमें अलग-अलग देशों और समूहों की राय शामिल होनी चाहिए। यूएफसी का कहना है कि जब तक पूरी सहमति न बने, तब तक कोई बातचीत का टेक्स्ट तैयार नहीं हो सकता। इस पर जवाब देते हुए हरीश ने कहा कि संयुक्त मॉडल बातचीत की शुरुआत है, अंत नहीं। इसे केवल सहमति या सबसे कम साझा राय तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि अलग-अलग समूहों और देशों के बीच पुल बनाने वाले प्रस्ताव और नए सुझाव टेक्स्ट आधारित बातचीत से ही निकल सकते हैं। हरीश ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर टेक्स्ट आधारित बातचीत जल्द शुरू नहीं हुई, तो IGN प्रक्रिया में कोई असली प्रगति नहीं हो पाएगी। उन्होंने कहा कि सुधारों के पक्षधर समूह के तौर पर जी4 एक बार फिर कहता है कि बिना और देरी किए टेक्स्ट के आधार पर बातचीत शुरू होनी चाहिए।

रूस और चीन ने अमेरिका के खिलाफ बनाया नया प्लान! पुतिन और जिनपिंग की जोड़ी ने पलट दिया दुनिया का पावर गेम

एजेंसी बीजिंग

बीजिंग में आयोजित शिखर बैठक के दौरान रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने एक बार फिर अमेरिका केंद्रित वैश्विक व्यवस्था पर तीखा हमला बोला। दोनों नेताओं ने संयुक्त रूप से बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की वकालत करते हुए कहा कि कुछ देश पूरी दुनिया पर अपना प्रभुत्व थोपने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन ऐसी नीतियां अब असफल हो चुकी हैं। रूस और चीन ने बिना नाम लिए अमेरिका पर निशाना साधते हुए कहा कि दुनिया को औपनिवेशिक सोच और एकतरफा दबाव की राजनीति से खतरा पैदा हो रहा है। हम आपको बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चीन दौरे के ठीक बाद रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भी चीन पहुँचे और अपने मित्र राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ लंबी चर्चा की। बीजिंग में हुई इस महत्वपूर्ण बैठक में दोनों नेताओं ने ऊर्जा, व्यापार, प्रौद्योगिकी और अंतरराष्ट्रीय रणनीति से जुड़े बीस से अधिक समझौतों पर हस्ताक्षर किए। बैठक का सबसे बड़ा संदेश यही रहा कि रूस और चीन अब खुलकर पश्चिमी प्रभाव के मुकाबले साझा मोर्चा बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। संयुक्त घोषणा में दोनों देशों ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय के विखंडन और जंगल के कानून जैसी स्थिति लौटने का खतरा पैदा हो रहा है। यह बयान सीधे तौर पर उस वैश्विक व्यवस्था पर हमला माना जा रहा है जिसका नेतृत्व लंबे समय से अमेरिका करता रहा है। शी जिनपिंग ने अपने संबोधन में कहा कि रूस और चीन को हर प्रकार की एकतरफा दबंगई और इतिहास को पीछे ले जाने वाली गतिविधियों का विरोध करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि दोनों देश रणनीतिक स्तर पर और अधिक समन्वय बनाए रखेंगे तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता और तकनीकी नवाचार के क्षेत्र में सहयोग को तेज करेंगे। दूसरी ओर पुतिन ने कहा कि रूस और चीन अंतरराष्ट्रीय मंच पर स्थिरता लाने वाली ताकतें हैं और दोनों स्वतंत्र विदेश नीति के लिए प्रतिबद्ध हैं। बैठक के दौरान रूस और चीन ने लंबे समय से अटकी प्राकृतिक गैस पाइपलाइन परियोजना को आगे बढ़ाने पर भी सहमति जताई। साइबेरिया शक्ति दो नामक इस परियोजना को लेकर रूस के सरकारी प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि दोनों देशों के बीच सामान्य समझ बन चुकी है, हालांकि कीमत और समयसीमा जैसे विषयों पर अभी अंतिम निर्णय होना बाकी है। यह परियोजना रूस के लिए बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी प्रतिबंधों ने रूस के यूरोपीय ऊर्जा बाजार को काफी कमजोर कर दिया है। ऐसे में चीन अब रूस के लिए सबसे बड़ा और सबसे भरोसेमंद ऊर्जा साझेदार बनकर उभरा है। पुतिन ने कहा कि रूस चीन को ऊर्जा आपूर्ति जारी रखने के लिए तैयार है और दोनों देशों के आर्थिक संबंध अभूतपूर्व स्तर तक पहुंच चुके हैं। उन्होंने बताया कि रूस और चीन के बीच अधिकांश व्यापारिक लेनदेन अब रूबल और युआन में हो रहा है। इसे भी अमेरिका के प्रभाव वाले वैश्विक वित्तीय ढांचे को चुनौती के रूप में देखा जा रहा है। दोनों देशों ने नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं और नई तकनीकों में भी व्यापक सहयोग की बात कही।

पाकिस्तानी वायु सेना का जेट पंजाब में क्रैश, PAF के ट्रेनिंग प्रोग्राम का अहम हिस्सा है चीनी JL-8

एजेंसी इस्लामाबाद

पाकिस्तानी वायु सेना का एक ट्रेनिंग विमान बुधवार को पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में क्रैश हो गया। खबरों के मुताबिक, यह एक होंगदू JL-18 ट्रेनिंग जेट था, जो मियांवाली के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। शुरुआती रिपोर्टों से पता चलता है कि दोनों पायलट सुरक्षित रूप से विमान से इजेक्ट करने में कामयाब रहे। सोशल मीडिया पर कई वीडियो और तस्वीरें सामने आई हैं, जिसमें क्रैश विमान का मलबा दिख रहा है। वहीं, विमान के गिरने से कुछ ही पल पहले पैराशूट से नीचे उतरते पायलट देखे गए। अधिकारियों ने अभी दुर्घटना के कारणों की जानकारी नहीं दी है। हालांकि, कुछ रिपोर्टों में इंजन में संभावित तकनीकी खराबी को कारण बताया गया है। पाकिस्तानी वायु सेना ने इस घटना पर कोई

बयान जारी नहीं किया है। पायलट विमान से निकलने में सफल रहे लेकिन उनकी हालत के बारे में जानकारी नहीं मिल पाई है। सोशल मीडिया पर कुछ पोस्ट में दावा किया गया कि पैराशूट से जमीन पर गिरने के बाद स्थानीय लोगों ने उन्हें रेस्क्यू किया और वे घायल हैं। रिपोर्टों के अनुसार, यह विमान होंगदू जेएल-8 था, जो नियमित ऑपरेशनल ट्रेनिंग का हिस्सा था। यह एक जेट ट्रेनर विमान है, जिसका इस्तेमाल पाकिस्तानी वायु सेना पायलटों की ट्रेनिंग और ऑपरेशनल अभ्यासों के लिए बड़े पैमाने पर करती है। इसे चीन और पाकिस्तान ने संयुक्त रूप से विकसित किया है। JL-8 कई वर्षों से पाकिस्तान के पायलट ट्रेनिंग प्रोग्राम का अहम हिस्सा रहा है। संडे गार्डियन ने सुरक्षा सूत्रों के हवाले से मिली रिपोर्टों का जिक्र किया है जिसमें आशंका जताई है कि ट्रेनिंग मिशन के दौरान एयरक्राफ्ट के इंजन में तकनीकी खराबी आ गई होगी। चीनी समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट में कहा गया है कि हादसा शायद इसलिए हुआ क्योंकि उड़ान के दौरान विमान में तकनीकी समस्या पैदा हो गई थी। बताया जा रहा है कि अधिकारियों ने हादसे के पीछे की असली वजह का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है।

26 जहाजों ने पार किया होर्मुज, IRGC ने खुद दी जानकारी

एजेंसी तेहरान

ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बगाई ने बताया कि ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची को अगले सप्ताह न्यूयॉर्क में होने वाली संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अंतरराष्ट्रीय शांति संबंधी बैठक में आमंत्रित किया गया है। तेहरान के अनुसार, यह निमंत्रण इसलिए दिया गया है क्योंकि वर्तमान में चीन सुरक्षा परिषद की बारी-बारी से अध्यक्षता कर रहा है। ईरानी अधिकारियों ने कहा कि अराघची बैठक में शामिल होंगे या नहीं, इस पर अभी कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है। ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बगेर ग़ालिबफ़ ने चेतावनी दी कि शत्रु की स्पष्ट और गुप्त दोनों ही चालें यह संकेत दे रही हैं कि युद्ध का एक नया दौर शुरू करने के प्रयास जारी हैं। ग़ालिबफ़ ने यह भी कहा कि ईरान की सेना ने युद्धविराम अवधि का सर्वोत्तम तरीके से उपयोग अपनी शक्ति और तैयारियों को मजबूत करने के लिए किया है। उन्होंने आगे जोर देकर कहा कि बढ़ते आर्थिक दबाव और नाकाबंदी तेहरान को आत्मसमर्पण करने के लिए मजबूर नहीं करेंगे, और कहा कि ईरान और संयुक्त राज्य अमेरिका वर्तमान में इच्छाशक्ति के युद्ध में लगे हुए हैं। हिजबुल्लाह के हथियार उत्पादन केंद्र पर हमले का दावा इजरायली सेना ने कहा है कि उसने दक्षिणी लेबनान के टायर क्षेत्र में हिजबुल्लाह के हथियार उत्पादन केंद्र पर हमला किया है, जो कथित तौर पर एक मस्जिद के पास स्थित एक पूर्व नागरिक क्लिनिक से संचालित हो रहा था। आईडीएफ के अनुसार, यह हमला दो दिन पहले हुआ था और इसके बाद कई विस्फोट हुए, जिनसे इमारत के अंदर हथियारों की मौजूदगी का संकेत मिला। इजरायली सेना ने हिजबुल्लाह पर इजरायल और उसकी सेनाओं पर हमले करने के लिए धार्मिक और चिकित्सा स्थलों सहित नागरिक बुनियादी ढांचे का उपयोग जारी रखने का आरोप लगाया है। इजरायल के बर्ताव को लेकर इजरायली राजदूत को तलब किया इटली ने गाजा जा रहे ग्लोबल समुद फ्लोटिला पर सवार कार्यकर्ताओं के साथ इजरायल के बर्ताव को "अस्वीकार्य" बताते हुए इजरायली राजदूत को तलब करने की घोषणा की। एक संयुक्त बयान में, प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी और विदेश मंत्री एंटोनियो ताजानी ने इतालवी सरकार द्वारा किए गए अनुरोधों के प्रति दिखाए गए "पूर्ण अनादर" के लिए माफी की मांग की। फ्लोटिला के आयोजकों के अनुसार, इजरायली बलों द्वारा हिरासत में लिए गए लोगों में 30 इतालवी नागरिक शामिल थे, जिनमें एक सांसद और एक पत्रकार भी थे।

लंदन की सड़कों पर जश्न, आर्सेनल ने मैनचेस्टर सिटी को पछाड़कर 22 साल बाद जीता खिताब

एजेंसी नई दिल्ली

आर्सेनल का प्रीमियर लीग फुटबाल टूर्नामेंट का खिताब जीतने का पिछले 22 साल से चला आ रहा लंबा इंतजार आखिरकार मंगलवार को मैनचेस्टर सिटी और बोर्नमाउथ के बीच मैच 1-1 से ड्रॉ छूटने के साथ ही खत्म हो गया है। इस मैच के बराबर रहने से मिकेल आर्टेटा की टीम 2004 के बाद पहली बार प्रीमियर लीग चैंपियन बन गई। इस प्रतियोगिता में अभी एक दौर के मैच खेले जाने बाकी हैं लेकिन आर्सेनल ने 37 मैच में 82 अंक के साथ चार अंकों की अजेय बढ़त हासिल कर ली है। दूसरे स्थान पर काबिज मैनचेस्टर सिटी के अब 37 मैच में 78 अंक हैं। आर्सेनल के मिडफील्डर डेक्लन राइस ने सोशल मीडिया पर अपने और अपने साथियों के जश्न मनाते हुए एक तस्वीर पोस्ट की जिसका शीर्षक है, ''मैंने आपसे कहा था न, हमने कर दिखाया।'' मैनचेस्टर सिटी को खिताब की दौड़ में बने रहने के लिए यह मैच जीतना जरूरी था। इस तरह से पेप गार्डियोला का सिटी के साथ खिताब जीतने का आखिरी मौका

भी उनके हाथ से चला गया क्योंकि इस दिग्गज कोच ने उन खबरों को खारिज नहीं किया था कि वह सत्र के अंत में क्लब छोड़ने वाले हैं। एमिरेट्स स्टेडियम के बाहर आर्सेनल के प्रशंसकों ने जमकर जश्न मनाया, पटाखे जलाए और सड़कों पर पार्टी की। क्लब के ट्रेनिंग ग्राउंड में भी जश्न का माहौल था, जहां खिलाड़ी मैच देखने के लिए इकट्ठा हुए थे। जूनियर क्रूपी के पहले हाफ के गोल के बाद एर्लिंग हालैंड ने स्टॉपेज टाइम में बराबरी का गोल करके मैच को रोमांचक बनाया लेकिन सिटी के पास विजयी गोल करने के लिए समय नहीं था। आर्सेनल के पास अभी चैंपियंस लीग का खिताब जीतने का भी मौका है जिसके फाइनल में उसका सामना 30 मई को पेरिस सेंट जर्मेन से होगा। आर्सेनल की टीम 2023 और 2024 के लगातार दो सत्र में उप विजेता रही थी। सिटी ने 2023 जबकि लिवरपूल ने 2024 में खिताब जीता था। एक बार फिर आर्सेनल ने इस पूरे अभियान में अधिकतर समय तक बढ़त बनाए रखी और बीच में केवल दो अंकों की बढ़त रहने के बावजूद वह आखिर में खिताब हासिल करने में कामयाब रहा। आर्सेनल की आखिरी चैंपियन टीम 2004 की 'अजेय' टीम थी, जिसने लीग में एक भी मैच हारे बिना खिताब जीता था। यह आर्सेनल का कुल 14वां खिताब है।

हॉकी के द्रोणाचार्य बलदेव सिंह को मिलेगा पद्मश्री, 80 इंटरनेशनल खिलाड़ी किए तैयार

एजेंसी नई दिल्ली

हॉकी कोच बलदेव सिंह को 25 मई को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा देश के प्रतिष्ठित नागरिक सम्मान पद्मश्री से नवाजा जाएगा। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। सिंह (75 वर्ष) ने एनएच 44 पर बसे छोटे से शहर शाहाबाद मारकंडा को बेहतरीन हॉकी प्रतिभा पैदा करने का एक बड़ा केंद्र बना दिया। वह 1982 में हरियाणा खेल विभाग में कोच के तौर पर शाहाबाद मारकंडा आए थे और उन्होंने वहां चार साल तक सेवा दी। अधिकारियों ने बताया कि 1993 में वह इस शहर में वापस लौटे और उन्होंने इस हॉकी नर्सरी को सबसे ज्यादा हॉकी प्रतिभा पैदा करने वाले केंद्र में से एक बना दिया।

भैणी साहिब की नामधारी हॉकी टीम से अपने पेशेवर करियर की शुरुआत करने वाले और अस्सी के दशक की शुरुआत में बेंगलुरु के राष्ट्रीय खेल संस्थान (एनआईएस) से हॉकी कोचिंग में डिप्लोमा हासिल करने वाले सिंह ने अपने

अनुभव का इस्तेमाल करते हुए इस खेल में 80 से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों और आठ भारतीय कप्तानों को तराशा। जैसे-जैसे यह अकादमी इस खेल के लिए एक प्रमुख केंद्र बनती गई, सिंह ने हॉकी की प्रतिस्पर्धी व्यवस्था में कई अहम भूमिकाएं निभाईं। उन्होंने 1993 में जूनियर पुरुष टीम के मुख्य कोच और चयनकर्ता के तौर पर काम किया। फिर वह 1996 में मद्रास में चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली भारतीय टीम के सहायक कोच रहे और बाद में सीनियर राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच बने। अधिकारियों ने बताया कि 2001 से 2004 तक उन्होंने भारतीय पुरुष टीम के कोच के तौर पर काम किया और 2004 के एशिया कप में टीम को स्वर्ण पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाई। चार दशकों से भी ज्यादा समय से सिंह सुर्खियों से दूर रहकर काम करते रहे, उन्होंने भारतीय हॉकी की संस्थागत नींव को मजबूत करने में योगदान दिया। सिंह ने फतेहगढ़ साहिब में श्री गुरु ग्रंथ साहिब विश्व विश्वविद्यालय और अमृतसर के खालसा कॉलेज में हॉकी कोच के तौर पर सेवा दी। उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा 2020 तोक्यो, 2024 पेरिस और 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक खेलों के लिए एक 'रोडमैप' तैयार करने हेतु गठित ओलंपिक कार्य बल के मुख्य सदस्य के तौर पर भी काम किया है।

नेशनल मेडलिस्ट अंकित और जयेश पाटिल डोप टेस्ट में फेल, नाडा ने लगाया प्रतिबंध

एजेंसी नई दिल्ली

सेना खेल नियंत्रण बोर्ड (एसएससीबी) के अंकित और रेलवे के जयेश पाटिल पर राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने तीन साल का प्रतिबंध लगा दिया है। इन दोनों का परीक्षण प्रतिबंधित पदार्थ 'मेल्डोनियम' के लिए पॉजिटिव आया था। अंकित ने 69वीं राष्ट्रीय क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप में तीसरा स्थान हासिल किया था जबकि पाटिल इसी स्पर्धा में पांचवें स्थान पर रहे थे।

दोनों एथलीटों ने अपने ऊपर लगे आरोपों को स्वीकार कर लिया जिसके चलते उनके प्रतिबंध की अवधि में एक साल की कटौती कर दी गई। यह प्रतिबंध अंकित के लिए 25 फरवरी से और पाटिल के लिए 27 फरवरी से लागू हो गया है। बीस वर्षीय पाटिल 2024 जूनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप में 3000 मीटर स्टीपलचेज के रजत पदक विजेता भी हैं। दोनों एथलीट का टेस्ट 'मेल्डोनियम' के लिए पॉजिटिव आया था। यह पदार्थ विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) की प्रतिबंधित पदार्थों की सूची में शामिल है।

कोलकाता नाइट राइडर्स ने 4 विकेट से मुंबई इंडियंस को हार का सामना कराया

एजेंसी कोलकाता

कोलकाता नाइट राइडर्स ने बुधवार को ईडन गार्डन्स में खेले गए आईपीएल 2026 के 65वें मुकाबले में मुंबई इंडियंस को 4 विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ केकेआर ने जहां प्लेऑफ की रेस में खुद को मजबूती से बनाए रखा है वहीं मुंबई इंडियंस के लिए हार का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा।

मैच के बाद मुंबई के कप्तान हार्दिक पंड्या बेहद निराश नजर आए। उन्होंने माना कि टीम ने इस सीजन में कई गलतियां की हैं खासकर फील्डिंग में जिसका खामियाजा भुगतना पड़ा है। बल्लेबाजी में फ्लॉप शो और कम स्कोर पर बात करते हुए हार्दिक पंड्या ने कहा, 'मैच काफी मनोरंजक था। लेकिन एक बैटिंग यूनिट के रूप में हम निश्चित तौर पर 15-20 रन पीछे रह गए। हमने पावरप्ले में ही बहुत सारे विकेट गंवा दिए थे। अगर तिलक वर्मा और मैं क्रीज पर थोड़ा और वक्त बिताते कुछ और साझेदारियां देखने को मिलतीं और वो 15-20 रन बोर्ड पर एक्स्ट्रा जुड़ जाते तो मुझे लगता है कि हमारे पास मैच जीतने का एक अच्छा मौका होता।' इस सीजन में लगातार बन रहे बड़े स्कोर्स के बीच ईडन गार्डन्स की पिच पर गेंदबाजों को मदद मिल रही थी। इस पर पंड्या ने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो मुझे इस तरह की पिचों पर खेलने में कोई ऐतराज नहीं है जहां गेंदबाजों के लिए भी कुछ मदद हो। आजकल आईपीएल पूरी तरह से बल्लेबाजों के दबदबे वाला होता जा रहा है और गेंदबाज मैदान पर बेबस महसूस कर रहे हैं। आज के मैच में पिच से गेंदबाजों को कुछ सपोर्ट मिला जिससे वे अच्छी गेंदे फेंक सके। ऐसी पिचों पर बल्लेबाजों को भी रन बनाने के लिए अच्छी क्रिकेट खेलनी पड़ती है इसलिए मैंने इस मैच का लुत्फ उठाया।'

मैदान पर खराब फील्डिंग और छूटे हुए कैचों पर कप्तान ने अपनी खीझ और लाचारी साफ जाहिर की। उन्होंने बिना किसी बहानेबाजी के अपनी टीम की इस कमजोरी को स्वीकार करते हुए कहा, 'मुझे नहीं पता कि क्या कहें लेकिन पूरे सीजन में हमारी फील्डिंग बेहद खराब रही है। हमने बहुत सारे कैच छोड़े हैं जो जाहिर तौर पर कोई भी खिलाड़ी जानबूझकर नहीं करना चाहता। लेकिन खेल के इस हिस्से से आप मुंह नहीं चुरा सकते यहां छिपने की कोई जगह नहीं है।'

व्यापार

भारत के लिए खुलेगा होर्मुज का गेट, ईरान से बातचीत के बाद ये है बड़ी तैयारी, इसलिए बना है सस्पेंस

एजेंसी नई दिल्ली

भारत रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज स्ट्रेट के रास्ते जहाज भेजने की तैयारी कर रहा है। इसका मकसद मिडिल ईस्ट के सप्लायरों से कच्चे तेल और ऊर्जा कार्गो की सप्लाई सुनिश्चित करना है। ईरान युद्ध के कारण पैदा हुई बाधाएं ग्लोबल एनर्जी मार्केट्स पर लगातार दबाव डाल रही हैं। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी गई है। मामले से परिचित लोगों के हवाले से एजेंसी ने यह रिपोर्ट दी है। वैसे यह सस्पेंस बना हुआ है कि भारतीय जहाजों को सुरक्षित मार्ग देने पर ईरान या अमेरिका ने सहमति दी है या नहीं। दोनों ही देश स्ट्रेट के अंदर और आसपास अपने-अपने तरीके से कंट्रोल बनाने की कोशिश कर रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि इन योजनाओं को अंतिम रूप दे दिया गया है। सरकार से अंतिम मंजूरी मिलते ही भारतीय जहाज इस संकरे पानी के रास्ते को पार करने का प्रयास शुरू कर देंगे। हालांकि, रिपोर्ट में जिन लोगों का जिक्र किया गया है, उन्होंने इन शिपमेंट के समय या इस रास्ते से गुजरने वाले कार्गो की मात्रा के बारे में कोई खास जानकारी नहीं दी। होर्मुज स्ट्रेट दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री 'चोकपॉइंट' में से एक है। ग्लोबल ऑयल फ्लो का यह लगभग पांचवां हिस्सा संभालता है। ईरान संघर्ष शुरू होने के बाद से इस रास्ते से होने वाली जहाजों की आवाजाही में भारी कमी

आई है। इससे सप्लाई को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। दुनिया भर में कच्चे तेल की कीमतें आसमान छू रही हैं। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कच्चा तेल आयातक है। हाल के वर्षों में रूस और अन्य सप्लायरों से अपनी खरीद बढ़ाने के बावजूद खाड़ी क्षेत्र से होने वाली एनर्जी सप्लाई पर ही काफी हद तक निर्भर बना हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार, सरकारी स्वामित्व वाली 'शिपिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया' (एससीआई) फरस की खाड़ी में अपना परिचालन फिर से शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार है। बशर्ते उसे भारतीय नौसेना से मंजूरी मिल जाए और घरेलू तेल रिफाइनरियों से कमर्शियल ऑर्डर हासिल हो जाएं। हालांकि, इस बात को लेकर अभी भी अनिश्चितता बनी हुई है कि क्या ईरान या अमेरिका ने भारतीय जहाजों को सुरक्षित मार्ग देने पर औपचारिक रूप से सहमति जताई है या नहीं। ये दोनों ही देश स्ट्रेट के अंदर और उसके आसपास अलग-अलग तौर पर प्रतिबंध और सैन्य नाकेबंदी लागू कर रहे है। यह घटनाक्रम विदेश मंत्री एस. जयशंकर की ओर से नई दिल्ली में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची से मुलाकात करने के कुछ ही दिनों बाद सामने आया है। दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के साथ समुद्री व्यापार और ऊर्जा सुरक्षा पर इसके पड़ने वाले प्रभावों पर चर्चा की। इसमें होर्मुज की मौजूदा स्थिति भी शामिल थी। इस मुलाकात के बाद अराघची ने कहा कि ईरान इस जलमार्ग से सुरक्षित कमर्शियल आवाजाही सुनिश्चित करने के प्रति पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। ईरानी मंत्री ने कहा, 'ईरान हमेशा होर्मुज में सुरक्षा के रक्षक के तौर पर अपने ऐतिहासिक कर्तव्य का पालन करता रहेगा।' उन्होंने आगे कहा, 'ईरान सभी मित्र राष्ट्रों का एक भरोसेमंद साझेदार है, जो अपने वाणिज्य की सुरक्षा के मामले में ईरान पर पूरी तरह भरोसा कर सकते हैं।' इस बयान के जरिए उन्होंने भारत जैसे उन देशों को भरोसा देने का प्रयास किया, जो तेल सप्लाई में आने वाली बाधाओं को लेकर चिंतित हैं। उन्होंने आगे कहा, 'हमने कई भारतीय जहाजों को गुजरने की इजाजत दी है। सभी जहाजों का सुरक्षित गुजरना हमारी नीति है। हमारे हित में भी है। साथ ही, अमेरिका की तरफ से नाकेबंदी और उनकी आक्रामकता की वजह से इस इलाके में असुरक्षा का माहौल है।'

शाहरुख खान 15 करोड़ करते हैं चार्ज, रोनाल्डो 20 करोड़, मोदी ने पार्ले मेलोडी के लिए फ्री में कर दिया

एजेंसी नई दिल्ली

एक समय था। मुंबई के विले पार्ले ईस्ट में बनी मशहूर फैक्टरी से फ्रेश पार्ले-जी बिस्किट की महक आस-पड़ोस में फैल जाती थी। पूरब में कोलडोंगरी और वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे से लेकर पश्चिम के उपनगर में स्थित मिठीबाई कॉलेज तक। वह फैक्टरी काफी पहले बंद हो चुकी है। लेकिन, पार्ले का नाम आज भी मौजूद है। न सिर्फ उस उपनगर के नाम में। बजाय इसके पूरे भारत में। आज जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी को पार्ले मेलोडी टॉफियों का एक पैकेट दिया तो अचानक ही पार्ले का नाम पूरी दुनिया में मशहूर हो गया। पीएम ने मजाकिया अंदाज में उनके वायरल हो चुके 'मेलोडी' निकनेम की ओर इशारा किया। मेलोडी के लिए प्रधानमंत्री ने वह काम फ्री में कर दिया जिसके लिए शाहरुख खान, अमिताभ बच्चन, क्रिस्टियानो रोनाल्डो जैसे सितारे करोड़ों चार्ज करते हैं। कूटनीति के उस पल में इस भारतीय टॉफी और ब्रांड को ऐसे ग्लोबल प्लेटफॉर्म पर फ्री में मार्केटिंग मिली जिसे पैसे से नहीं खरीदा जा सकता। यह मार्केटिंग उन दो राष्ट्राध्यक्षों की वजह से

मिली जिनके 'एक्स' और 'इंस्टाग्राम' पर कुल मिलाकर 210 मिलियन (21 करोड़) से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। पार्ले की कहानी कुछ-कुछ 'चार्ली एंड द चॉकलेट फैक्ट्री' के देसी वर्जन जैसी लगती है। इसकी शुरुआत बहुत ही साधारण तरीके से हुई थी। इसका 'गोल्डन टिकट' थे- पार्ले-जी ग्लूकोज बिस्किट। 1929 में मुंबई के विले पार्ले में मोहनलाल चौहान ने इस कंपनी की नींव रखी थी। इसने शुरुआत में टॉफियां बनाने का काम किया। बाद में पार्ले ग्लूको लॉन्च किया। यही 1939 में पार्ले-जी बन गया। यह कंपनी बिस्किट और टॉफियों के क्षेत्र में बहुत बड़ी ताकत बनकर उभरी। मात्रा के हिसाब से दुनिया का सबसे ज्यादा बिकने वाला बिस्किट ब्रांड बन गई। 1970 के दशक में चौहान परिवार ने अपने कारोबार को अलग-अलग डिवीजन में बांट दिया। इससे तीन अलग-अलग निजी कंपनियां बनीं। ये आज भी पार्ले नाम का इस्तेमाल करती हैं। लेकिन, स्वतंत्र रूप से काम करती हैं। इनमें से पहली कंपनी है पार्ले प्रोडक्ट्स - बिस्किट और टॉफियों की दुनिया की एक बहुत बड़ी कंपनी। यह मेलोडी टॉफियां भी बनाती है। पार्ले-जी के अलावा, यह मोनैको, क्रैकजैक और हाइड एंड सीक जैसे लोकप्रिय बिस्किट भी बनाती है। पार्ले-जी बिस्किट इतने मशहूर हैं कि कोरोना लॉकडाउन के दौरान ये लोगों के लिए गुजारा करने का बेहद जरूरी जरिया बन गए थे। इसकी कम कीमत छोटे पैकेट के लिए सिर्फ 5 रुपये है। लंबी शेल्फ लाइफ की वजह से पार्ले-जी घर के राशन में जमा करके रखने के लिए बेहतरीन विकल्प साबित हुआ। प्रवासी मजदूरों ने पैदल घर लौटते समय अपनी लंबी यात्राओं के दौरान इस पर भरोसा किया। जबकि सरकारी एजेंसियों और एनजीओ ने राहत भोजन के तौर पर इसके लाखों पैकेट बांटे। फिर पार्ले एग्रो है, जो फ्रूटी और ऐपी जैसे पेय पदार्थों पर फोकस करती है। पार्ले बिसलेरी बोतलबंद पानी का बड़ा नाम है।

यूएई को खाद्य और पेय पदार्थों को बढ़ाकर भारत कमा सकता है अरबों डॉलर

एजेंसी नई दिल्ली

भारतीय व्यापार संवर्धन परिषद (टीपीसीआई) ने बुधवार को कहा कि भारत से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को खाद्य और पेय पदार्थों के निर्यात को बढ़ावा देने की अपार संभावनाएं हैं, क्योंकि इस पश्चिम एशियाई देश को इन उत्पादों का भारत का निर्यात केवल 3.6 अरब डॉलर का रहा है। वहीं यूएई का इन उत्पादों का कुल आयात 22 अरब डॉलर का था। भारत से यूएई को खाद्य और पेय पदार्थों का निर्यात वर्ष 2021 में 2.3 अरब डॉलर से बढ़कर वर्ष 2025 में 3.6 अरब डॉलर का हो गया, जो 11.3 प्रतिशत की सालाना वृद्धि को दर्शाता है। वर्ष 2025 में यूएई में इस क्षेत्र से कुल आयात लगभग 22 अरब डॉलर का रहा है। टीपीसीआई ने कहा कि ये आंकड़े यूएई के बाजार में बढ़ती मांग और साथ ही मुख्य खाद्य पदार्थों, प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों, मांस उत्पादों, पेय पदार्थों और कृषि वस्तुओं के एक विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता के रूप में भारत की मजबूत स्थिति को दर्शाते हैं।

टीपीसीआई के चेयरमैन मोहित सिंगला ने कहा कि यूएई दुनिया के उन देशों में से एक है जो खाद्य आयात पर सबसे ज्यादा निर्भर हैं; यह अपनी जरूरतों का लगभग 85 से 90 प्रतिशत आयात करता है और उपभोक्ताओं की मांग को पूरा करने के लिए आयातित खाद्य उत्पादों पर बहुत ज्यादा निर्भर रहता है।

उन्होंने कहा, ''भारत को यूएई के सबसे भरोसेमंद खाद्य आपूर्तिकर्ताओं में से एक माना जाता है, जिसकी बाजार में लगभग 10 प्रतिशत हिस्सेदारी है। भारत-यूएई व्यापार संबंधों के मजबूत होने और खाद्य प्रसंस्करण, लॉजिस्टिक और गुणवत्ता प्रणालियों में बढ़ते निवेश के साथ, भारत, यूएई के खाद्य और पेय आयात बाजार में अपनी हिस्सेदारी को और बढ़ाने के लिए अच्छी स्थिति में है।

पाप और पुण्य का फल यमलोक में मिलता है, नारद पुराण से जानें मृत्यु के बाद का रहस्य

नारद पुराण में लोक-परलोक और जीवन-मृत्यु के बारे में बताया गया है। कहते हैं कि व्यक्ति को अपने कर्मों के अनुसार ही फल प्राप्त होते हैं। ऐसे में मनुष्य के मन में यह विचार जरूर आता है कि मृत्यु के बाद का रास्ता कैसा होगा, पाप और पुण्य कर्म के फल किसी प्रकार मिलते हैं और यमलोक में जीव किस प्रकार अपनी यात्रा को तय करता है? इन सभी प्रश्नों के उत्तर नारद पुराण में दिए गए हैं। नारद पुराण के अनुसार यमलोक छियासी हजार योजन तक है जहां पाप कर्म करने वालों को अनेक प्रकार की यातनाएं उठानी पड़ती हैं और पुण्यात्माएं सभी सुखों से संपन्न होकर धर्मराज के निवास स्थान पर पहुंचती हैं। आइए विस्तार से जानते हैं कि यमलोक में पाप और पुण्य का कैसा फल मिलता है। नारद पुराण में मृत्यु के पश्चात पाप कर्म करने वाले जीवों और पुण्यात्माओं को मिलने वाले फल के बारे में बताया गया है। नारद पुराण के साथ-साथ कई अन्य पुराणों में यमलोक का मार्ग छियासी हजार योजन तक बताया गया है। मान्यता है कि 1 योजन करीब 13 किलोमीटर का होता है। ऐसे में छियासी हजार योजन लगभग 11 लाख 18 हजार किलोमीटर होगा। जो मनुष्य अपने जीवन में दान-पुण्य आदि कार्य करता है वह इस मार्ग को बहुत ही सुख से पार कर जाता है। लेकिन धर्म से हीन जीव को यमलोक में दुख और पीड़ित होकर यात्रा करना पड़ता है। जिन जीवों ने पाप कर्म किए होते हैं वे यमलोक में पीड़ा से जोर-जोर से रोते और चिल्लाते हुए जाते हैं। उनके कंठ, होठ और तालु सूखे हुए दिखाई पड़ते हैं। यमराज के दूत पाप कर्म करने वालों को चाबुक आदि से अनेक प्रकार से उनपर आघात करते हुए जाते हैं।

यमलोक में मिलती हैं भयावह यातनाएं यमलोक के मार्ग में कहीं कीचड़ है, कहीं जलती हुई आग, कहीं तपती हुई बालू और कहीं तो तीखी धार वाली शिलाएं मौजूद हैं। इतना ही नहीं, यमलोक के मार्ग में कांटेदार वृक्ष और ऐसे-ऐसे पहाड़ हैं जिनकी शिलाओं से गुजरना अत्यंत दुखदायक है। यमलोक में कांटों की बहुत बड़ी-बड़ी बाड़ लगी हुई है। कहीं गुफा में जाना पड़ता है जिसके मार्ग में कंकड़, ढेले और सुई के समान कांटे बिछे हुए हैं और बाघ जोर-जोर से गरजते हैं। नारद पुराण में बताया गया है कि पाप कर्म करने वाले जीव इसी प्रकार अलग-अलग प्रकार की यातनाओं से पीड़ित होकर यात्रा करते हैं। कोई पाश में बंधा होता है, किसी को अंकुशों से खींचा जाता है और किसी की पीठ पर अस्त्र-शस्त्र बरसाए जाते हैं। ऐसी भयावह पीड़ा के साथ पाप कर्म करने वाले जीव यमलोक के मार्ग पर आगे बढ़ते हैं। यमलोक के मार्ग में आराम करने के लिए न छाया होती है और न प्यास बुझाने के लिए जल रखा होता है। इन यातनाओं को सहते हुए जीव अपने जीवन में जाने अनजाने में किए गए पाप कर्मों के लिए शोक करते हैं और अत्यंत भारी दुख सहते हुए आगे बढ़ते हैं।

दान-पुण्य कर्मों से यमलोक में मिलता है हर प्रकार का सुख जो मनुष्य अपने जीवन में धर्म-कर्म और दान करता है व उत्तम बुद्धि वाला होता है, वे बहुत ही सुखी होकर धर्मराज के लोक की यात्रा करते हैं। जिन लोगों ने अन्न का दान किया हो वे स्वादिष्ट भोजन करते हैं। जिन्होंने जल का दान किया हो, वे अत्यंत सुखी होकर उत्तम दूध का सेवन करते हैं। लस्सी और दही दान करने वाले जीव इससे संबंधित भोग प्राप्त करते हैं। शुद्ध घी, मक्खन, मधु और दूध का दान करने वाले मनुष्य सुधापान करते हुए धर्म मंदिर की ओर आगे बढ़ते हैं। साग खाने वाले को खीर मिलता है और दीपदान करने वाले के संपूर्ण दिशाएं प्रकाशित रहती हैं। वस्त्र दान से जीव को दिव्य वस्त्र प्राप्त होते हैं और आभूषण दान से उस मार्ग पर वह देवताओं के मुख से अपनी स्तुति सुनता हुआ आगे बढ़ता है। मनुष्य को गोदान के पुण्य से सभी प्रकार के सुख प्राप्त होते हैं। जिस जीव ने अपने माता-पिता की सेवा की हो वह पूजित होकर प्रसन्नचित के साथ धर्मराज के पास पहुंचता है। जो जीव व्रत करने वाले और ब्राह्मणों की सेवा करता है, वह बहुत सुख के साथ धर्म लोक की ओर चला जाता है। जो सभी के लिए दयाभाव रखता हो, वह जीव सभी प्रकार के सुखों को प्राप्त करके विमान द्वारा यात्रा करता है। विद्यादान में तत्पर रहने वाला मनुष्य ब्रह्मा जी से पूजित होकर जाता है। पुराणों का पाठ करने वाला जीव मुनीश्वरों द्वारा अपनी स्तुति सुनकर आगे बढ़ता है। इस प्रकार पुण्य कार्य करने वाले जीव धर्मराज के निवास स्थान तक जाते हैं।

पुण्य कर्म से संपूर्ण भोगों से संपन्न पुण्य लोक होता है प्राप्त धर्मराज उस समय पड़े स्नेह के साथ एक मित्र की तरह पुण्यात्मा जीवों को कहते हैं कि हे बुद्धिमानों में श्रेष्ठ पुण्यात्माओं, जो मानव जन्म पाकर भी पुण्य नहीं करता है वही पापियों में बड़ा है। जो मानव-जन्म पाकर उसके द्वारा नित्य धर्म का साधन नहीं करता उसे घोर नरक प्राप्त होता है। इससे बड़ा पाप और क्या होगा। यह शरीर दुख रूप है और मल आदि से अपवित्र है। जो इस पर विश्वास करता है स्वयं का नुकसान पहुंचाने वाला समझना चाहिए। सभी जीवों में प्राणधारी श्रेष्ठ हैं। इनमें पशु-पक्षी आदि जो द्बि से जीवन-निर्वाह करते हैं, वे श्रेष्ठ होते हैं। नारद पुराण में कर्तव्य का पालन करने वालों और वेद का कथन करने वालों को श्रेष्ठ माना गया है। जो हमेशा भगवान के ध्यान में लगा रहता है और धर्म-कर्म व दान करता है वह सभी सुख पाता है। इसलिए हमेशा प्रयत्न करके धर्म का संग्रह करना चाहिए। धर्मात्मा जीव सर्वत्र पूजित होता है। तुम सभी पुण्यात्माओं संपूर्ण भोगों से संपन्न पुण्यलोक में जाओ। अगर कोई पाप किया हो तो यहीं आकर उसका फल भोगना पड़ता है।

पाप कर्म से जीव भोगता है नरक की यातनाएं वहीं पाप कर्म करने वाले जीवों को कालदंड से डराया और फटकारा जाता है। उनकी आवाज तब प्रलय काल के मेघ की तरह भयावह होती और उनके अस्त्र-शस्त्र बिजली की तरह चमकते हैं। उनकी बत्तीस भुजाएं हो जाती हैं और शरीर का विस्तार तीन योजन तक फैल जाता है। उनकी आंखें एकदम लाल हो जाती हैं और सभी दूत यमराज के समान भयंकर गरजना करते हैं। जिन्हें देखकर जीव कांपने लगते हैं और अपने पाप कर्मों के बारे में विचार करते हुए शोक करते हैं। तब यम की आज्ञा से चित्रगुप्त सभी को उनके कर्म याद दिलाते हैं और कहते हैं कि तुमने जो पाप किए हैं अब उसी प्रकार नरक की यातनाएं भी भोगनी होंगी। सभी दूत यमराज की आज्ञा का पालन करते हैं और पाप कर्म करने वाले जीवों को लेजाकर नरकों में फेंक देते हैं। वहां अपने पापों का फल भोगकर जीव अंत में शेष पाप के फलस्वरूप भूतल पर अलग-अलग योनियों में जन्म लेते हैं।

घर में सुख शांति के उपाय, वास्तु अनुसार इन 7 कार्यों को करने से दुर्भाग्य रहेगा परिवार से दूर

वास्तुशास्त्र में कुछ ऐसे उपाय और टिप्स बताए गए हैं जिन्हें करने से घर-परिवार में सुख शांति बनी रहती है और साथ ही, बेडलक दूर होता है। कई बार सबकुछ ठीक चलते हुए अचानक घर में लगातार परेशानियां आने लगती हैं, बनते काम रुक जाते हैं और घर की सुख-शांति भी भंग होने लगती है। मान्यता है कि ऐसा घर में मौजूद नकारात्मकता या नजर दोष के चलते हो सकता है। ऐसे में वास्तु गुरु मान्या बताती हैं कि वास्तु अनुसार कुछ विशेष कार्यों को करने से घर की पुरानी नकारात्मकता और नजर दोष को दूर किया जा सकता है। जिससे घर में सुख-शांति आती है और दुर्भाग्य दूर रहता है। आइए विस्तार से जानें घर में सुख-शांति के उपाय।

मुख्य द्वार पर बनाएं स्वास्तिक अगर घर-परिवार में छोटी-छोटी बातों पर आपसी मनमुटाव बना रहता है तो ऐसा नकारात्मकता या नजर दोष के चलते हो सकता है। वास्तु गुरु मान्या के अनुसार, इसके लिए अपने घर के मुख्य द्वार पर सिंदूर से स्वास्तिक बनाएं। इस उपाय को करने से घर के अंदर नकारात्मक ऊर्जा प्रवेश नहीं करती है। साथ ही, इससे सकारात्मकता बढ़ती है और धीरे-धीरे घर-परिवार में भी आपको इस उपाय का लाभ नजर आने लगेगा।

नमक के पानी से लगाएं पोछा अपने घर से नकारात्मक ऊर्जा दूर करने के लिए हफ्ते में दो या तीन बार पानी में खड़ा नमक या समुद्री नमक मिलाकर उससे पोछा लगाएं। नमक वाले पानी से पोछा लगाने से आसपास के वातावरण से पुरानी नकारात्मकता दूर होती है। साथ ही, घर-परिवार का माहौल शांतिपूर्ण बना रहता है। लेकिन इस बात का ध्यान रखें गुरुवार के दिन नमक वाला पोछा घर में नहीं लगाना चाहिए।

घर में कपूर जलाएं यदि कार्यों में बाधाएं आ रही हैं या तनाव बना रहता है, तो इसके लिए हर शाम कपूर एक छोटा उपाय कर सकते हैं। इसके लिए नियमित रूप से शाम के समय अपने घर के हर कोने में एक कपूर जरूर जलाएं। साथ ही, अपने बेडरूम में भी एक कपूर जरूर जलाकर रखें। यह तनाव को कम करने में सहायक होता है और साथ ही, इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है।

टपकता हुआ नल कराएं ठीक अगर आपके घर में किचन, बाथरूम या किसी भी स्थान के नल से पानी टपकता रहता है, तो उसे तुरंत ठीक करवा लें। यह भी घर से सुख-समृद्धि और शांति जाने का कारण हो सकता है। क्योंकि, वास्तुशास्त्र में पानी की बर्बादी को धन बहने का प्रतीक माना गया है। ऐसे में नल ठीक करवाने से फिजूलखर्ची कम होने लगती है और परिवार से दुर्भाग्य दूर होता है।

पानी के बर्तन से करें यह उपाय घर में सुख-शांति बनाए रखने के लिए वास्तुशास्त्र में कई उपाय और टिप्स बताए गए हैं। इसके लिए आप एक मिट्टी या कांच के बर्तन में पानी भर लें और उसमें ताजे फूल डालें। इस पानी के बर्तन को उठाकर अपने मुख्य द्वार पर रख दें। मान्यता है कि ये घर में आने वाली नकारात्मकता को सोख लेती है जिससे बुरी और नकारात्मक ऊर्जा से घर-परिवार का बचाव होता है।

घर में छिड़कें पीली सरसों अगर आपको घर में नजर दोष लगने की आशंका है तो इसके लिए पीली सरसों का उपाय कर सकते हैं। गुरुवार के दिन अपने घर के चारों तरफ थोड़ी सी पीली सरसों लेकर छिड़क दें। इस उपाय को करने से नजर दोष दूर होने लगती है। साथ ही, रुके हुए कार्यों में आ रही बाधाएं दूर होने लगती हैं और काम तेजी से बनने शुरू हो सकते हैं।

हाथी की मूर्ति रखें घर से बेडलक दूर करने के लिए वास्तु अनुसार घर में कुछ चीजों को रखना बेहद शुभ माना जाता है। इन्हीं में से एक हाथी की मूर्ति रखना। मान्यता है कि घर के अंदर मुख किए हुए पीतल के हाथी का जोड़ा दक्षिण-पश्चिम कोने में रखना चाहिए। इस उपाय को करने से परिवार के लोगों में आपसी प्रेम बढ़ता है। साथ ही, यह बेडलक को भी दूर करता है।

आज का राशिफल: कर्क और कन्या को मिलेगा मेहनत का फल, पैसों की चिंता दूर होगी

मेष राशि का आर्थिक रूप से आज का दिन सामान्य रहेगा। सूर्यदेव और बुधदेव की कृपा से आप पैसों की सही प्लानिंग कर पाएंगे। आज आपका पूरा ध्यान बचत करने और घर के जरूरी खर्चों पर रहेगा। भावुक होकर फालतू की चीजें खरीदने से बचें। बृहस्पतिदेव बातचीत के जरिए आपको धन लाभ के नए मौके दे सकते हैं। अपने भविष्य की योजनाओं को दोबारा देखने के लिए आज का दिन बहुत अच्छा है।

वृषभ राशि पैसों के मामले में आज का दिन आपके लिए काफी अच्छा रहेगा। शुक्रदेव और बृहस्पतिदेव की युति से आपकी आमदनी बढ़ सकती है। आज आप बचत करने या भविष्य के लिए धन निवेश करने के बारे में सोच सकते हैं। कुछ लोगों को आज किसी अनुभवी व्यक्ति से धन की मदद या कोई अच्छी सलाह मिलेगी। सूर्यदेव और बुधदेव पैसों का सही प्रबंधन करने में आपकी मदद करेंगे। बस आज दिखावे की चीजों पर फालतू खर्च करने से पूरी तरह बचें।

मिथुन राशि आर्थिक रूप से दिन ठीक-ठाक रहेगा और धीरे-धीरे आपकी स्थिति बेहतर होगी। चंद्रदेव की उपस्थिति के कारण आज आपका ध्यान बचत और घर के खर्चों पर ज्यादा रहेगा। शुक्रदेव और बृहस्पतिदेव की युति से आज आपको किसी क्रिएटिव काम या संपर्कों के जरिए धन लाभ हो सकता है। कुछ लोगों का रुका हुआ पैसा आज वापस मिल सकता है। आज अचानक भावनाओं में बहकर पैसे खर्च करने से बचें। लंबे समय की बचत योजनाएं ही आपको लाभ देंगी।

कर्क राशि आर्थिक रूप से आज का दिन काफी स्थिर और अच्छा रहने वाला है। सूर्यदेव और बुधदेव की कृपा से आपको सही फैसलों के दम पर अच्छा धन लाभ होगा। कुछ जातक आज अपने भविष्य को सुरक्षित करने के लिए नई बचत योजनाएं बना सकते हैं। राहु के प्रभाव के कारण आज निवेश या पार्टनरशिप के पैसों को लेकर मन में थोड़ी उलझन हो सकती है। आज के दिन भावुकता में आकर कोई भी बड़ी खरीदारी न करें। पैसों का सही प्रबंधन ही आपको चिंताओं से दूर रखेगा।

सिंह राशि आर्थिक रूप से आज का दिन स्थिर रहेगा, लेकिन अचानक कुछ खर्चे बढ़ सकते हैं। चंद्रदेव की उपस्थिति आज यात्रा या आपकी सुख-सुविधाओं से जुड़े खर्चों को बढ़ा सकती है। हालांकि सूर्यदेव और बुधदेव की स्थिति करियर में तरक्की के साथ-साथ धन लाभ का पूरा समर्थन कर रही है। आज आपको दिखावे की चीजों पर बेवजह पैसा बर्बाद करने से बचना चाहिए। समझदारी से लिए गए फैसले ही आपके बजट का संतुलन बनाए रखेंगे।

कन्या राशि आर्थिक रूप से आज का दिन धीरे-धीरे सुधार की तरफ आगे बढ़ेगा। चंद्रदेव की स्थिति के कारण टीम वर्क और सामाजिक संपर्कों के जरिए धन लाभ होने के योग हैं। कुछ जातकों को आज कोई पुराना रुका हुआ पैसा वापस मिल सकता है। हालांकि मंगलदेव की उपस्थिति लोन या परिवार की जिम्मेदारियों से जुड़े खर्चों को बढ़ा सकती है। आज भावनाओं में बहकर कहीं भी पैसा न लगाएं। सही प्लानिंग से ही आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

तुला राशि पैसों को लेकर आज आपकी स्थिति मजबूत रहने वाली है। इस दौरान आपको सूर्यदेव और बुधदेव की कृपा से पैसों की प्लानिंग करने और भविष्य को सुरक्षित बनाने की समझ मिलने वाली है। आपका पूरा ध्यान निवेश या बचत को बढ़ाने पर रहेगा। हालांकि, जल्दबाजी में बिना सोचे-समझे खर्च करने से बचें। वैसे बृहस्पतिदेव आपको किसी यात्रा या शिक्षा से जुड़े कामों के जरिए लाभ देने वाले हैं, इससे आपकी आर्थिक स्थिति और मजबूत होगी।

वृश्चिक राशि आज पैसों की स्थिति काफी अच्छी रहेगी। धीरे-धीरे आपकी कमाई के नए स्त्रोत खुलेंगे। किसी पुराने निवेश या बिजनेस पार्टनरशिप से धन लाभ की संभावन है। आप अपने भविष्य को सुरक्षित करने के लिए सोच-विचार करेंगे। जल्दबाजी में आकर किसी भी रिस्की जगह पैसा न लगाएं । भावनाओं में बहकर शॉपिंग करने से बचें। पैसों का संतुलन बनाए रखने के लिए एक सही बजट प्लान करें।

धनु राशि आज आपकी पॉकेट थोड़ी हलकी रहने वाली है, फिर भी आप अपनी सूझबूझ से सब जिम्मेदारियां बहुत अच्छे से संभाल लेंगे। आज आपका पूरा ध्यान लोन या टैक्स चुकाने पर रहने वाला है। आप भविष्य की आर्थिक सुरक्षा के लिए गंभीरता से सोचेंगे। रिस्की निवेश या दिखावे की चीजों पर खर्च करने से बचें। आज सूर्यदेव और बुधदेव की साथ स्थिति हैं, इसलिए आप बचत बढ़ाने और बजट बनाने के लिए तैयार हैं।

मकर राशि पैसों के मामले में आज आपका दिन बढ़िया और थमा हुआ रहेगा। घर की कुछ जरूरतों पर थोड़ा-बहुत खर्चा हो सकता है, इसलिए अपने पॉकेट का ध्यान जरूर रखें। अच्छी बात यह है कि सूर्यदेव और बुधदेव की कृपा से आप पैसों से जुड़ा हर फैसला बहुत समझदारी से लेंगे। इस समय शुक्रदेव और बृहस्पतिदेव साथ बैठे हैं, जिससे बातचीत या दोस्तों के जरिए आपको कमाई के नए मौके मिल सकते हैं। ध्यान रहे, लोगों को दिखाने के चक्कर में फालतू की चीजों पर पैसा बिल्कुल न उड़ाएं। समझदारी इसी में है कि एक अच्छा सा बजट बनाएं और उसी हिसाब से चलें।

कुंभ राशि आज का दिन काफी नार्मल रहेगा। पैसों की प्लानिंग सही से करें। परिवार से जुड़े फैसले लेने के लिए आज का दिन अच्छा है। शुक्रदेव और बृहस्पतिदेव एक साथ किसी क्रिएटिव काम के जरिए आपको प्रॉफिट देने वाले है, लेकिन घर की जरूरतों पर भी कुछ खर्च हो सकता है। फिजूलखर्ची पर लगाम लगाएं और बचत पर ध्यान दें।

मीन राशि आज आपकी पॉकेट का हाल काफी अच्छा रहने वाला है। धन से जुड़े मामलों में राहत मिलेगी, लेकिन आंख मूंदकर खर्च न करें। मंगलदेव आपका मन खुद-ब-खुद फिजूलखर्ची से हटाकर सेविंग्स में लगाने वाले हैं। साथ ही, सूर्यदेव और बुधदेव आपके साथ है, इसलिए आप पैसों का सही मैनेजमेंट करेंगे और बेहतर प्लान भी बनाएंगे। आज के दिन नए लोगों से मेल-जोल बढ़ेगा, जिससे आर्थिक लाभ भी हो सकते हैं । किसी भी रिस्की निवेश में पैसा लगाने से बचें। बस समझदारी से बजट बनाएं और आगे बढ़ें।

गाड़ी खरीदने का शुभ मुहूर्त, जून में 17 से 29 तक 7 दिन सबसे शुभ

अधिक मास 17 मई, रविवार से शुरू हो चुका है। ऐसे में अगर आप नई गाड़ी खरीदने का विचार कर रहे हैं तो बता दें कि मई में इस कार्य के लिए शुभ मुहूर्त शेष नहीं है। हालांकि, ये कार्य आप जून के महीने में कर सकते हैं। जून के महीने में 17 से 29 तारीख तक 7 ऐसे शुभ दिन हैं जिसमें वाहन खरीदना उत्तम साबित होगा और इससे अत्यंत शुभ फल की प्राप्ति हो सकती है। वाहनादि की खरीदारी से पूर्ण लाभ पाने के लिए आप जून के इन शुभ 7 दिनों में शुभ मुहूर्त में गाड़ी खरीद सकते हैं। आइए पं. राकेश झा से विस्तार से जानें गाड़ी खरीदने के शुभ मुहूर्त। जून में गाड़ी खरीदने के शुभ मुहूर्त

17 जून, बुधवार	पुनर्वसु नक्षत्र
19 जून, शुक्रवार	आश्लेषा नक्षत्र
21 जून, रविवार	पूर्व फाल्गुनी नक्षत्र
22 जून, सोमवार	उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र
24 जून, बुधवार	चित्रा नक्षत्र
27 जून, शनिवार	अनुराधा नक्षत्र
29 जून, सोमवार	मूल नक्षत्र

17 जून का दिन है शुभ पंचांग के अनुसार, जून के महीने में 17 तारीख बुधवार का दिन गाड़ी खरीदने के लिए शुभ रहेगा। क्योंकि

इस दिन पुनर्वसु नक्षत्र का संयोग बन रहा है। ऐसे में अगर आप गाड़ी खरीदने के बारे में सोच रहे हैं, तो 17 जून को खरीदारी कर सकते हैं। 19 जून को बनेगा शुभ संयोग पं. राकेश झा और पंचांग के अनुसार, वाहनादि खरीदने के लिए 19 जून, शुक्रवार का दिन बेहद उत्तम रहेगा। इस दिन आश्लेषा नक्षत्र का संयोग बन रहा है, जो सुबह 10 बजकर 7 मिनट तक रहेगा। ऐसे में इस अवधि के दौरान गाड़ी की खरीदारी करने से शुभ फल प्राप्त हो सकता है। 21 जून को खरीदें वाहन जून के महीने में 21 तारीख, रविवार का दिन भी खरीदारी के लिए लाभप्रद रहने वाला है। इस दिन पूर्व फाल्गुनी नक्षत्र का संयोग बनेगा। जिस दौरान शुभ कार्यों को करना और खरीदारी को शुभ माना जाता है। 21 जून को सुबह 9 बजकर 32 मिनट तक का समय गाड़ी खरीदने के लिए शुभ रहेगा। 22 जून को करें खरीदारी अगर आप जून के महीने में गाड़ी खरीदने का विचार बना रहे हैं तो इसके लिए 22 जून का दिन चुनना शुभ रहेगा। इस दिन सोमवार का दिन रहेगा और उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र का संयोग बनेगा। 22 तारीख को सुबह 10 बजकर 31 मिनट के बाद का समय खरीदारी के लिए शुभ रहने वाला है। इस दिन गाड़ी खरीदना आपके लिए लाभप्रद हो सकता है।

नीट पेपर लीक पर फूटा गुस्सा मशालों की रोशनी में उठे सवाल,लाखों छात्रों के भविष्य पर मंडराया संकट

22 से 23 लाख विद्यार्थियों की मेहनत पर पेपर माफिया का ग्रहण,सारनी में कांग्रेस का उग्र प्रदर्शन शिक्षा मंत्री का पुतला दहन,केंद्र सरकार के खिलाफ गूंजे नारे

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

देशभर में लगातार सामने आ रहे नीट परीक्षा पेपर लीक मामलों ने विद्यार्थियों और अभिभावकों की चिंताओं को चरम पर पहुंचा दिया है।करोड़ों सपनों और वर्षों की मेहनत से जुड़ी इस राष्ट्रीय परीक्षा में गड़बड़ी के आरोपों को लेकर बुधवार शाम सारनी में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने जोरदार विरोध प्रदर्शन करते हुए मशाल जुलूस निकाला।प्रदर्शन के दौरान केंद्र सरकार और शिक्षा व्यवस्था के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई तथा केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का पुतला दहन किया गया।ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष बटेश्वर भारती के नेतृत्व में शाम करीब 7:30 बजे नाना परिसर से सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता हाथों में मशाल लेकर निकले।यह जुलूस ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गों से होता हुआ जय स्तंभ चौक पहुंचा। यहां कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार पर शिक्षा व्यवस्था को सुरक्षित रखने में विफल रहने का आरोप लगाया। प्रदर्शन के दौरान सबसे बड़ा सवाल उन 22 से 23 लाख विद्यार्थियों को लेकर उठाया गया,जिनका भविष्य नीट परीक्षा निरस्त होने और पेपर लीक विवाद के कारण अधर में लटक गया है।कई विद्यार्थियों को दोबारा परीक्षा की अनिश्चितता,मानसिक तनाव,आर्थिक बोझ और करियर को लेकर भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।दूर-दराज क्षेत्रों से परीक्षा देने पहुंचे छात्र छात्राओं और उनके परिवारों की चिंता अब आक्रोश में बदलती दिखाई दे रही है।
ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष बटेश्वर भारती ने कहा कि वर्ष 2024 के बाद वर्ष 2026 में भी नीट परीक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। इससे पहले वर्ष 2019 और 2020 में भी परीक्षा में नकल और अनियमितताओं के आरोपों को लेकर देशभर में विरोध प्रदर्शन हो चुके हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि महाराष्ट्र के लातूर में लाखों रुपये में नीट पेपर बेचे जाने की खबरें शिक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता पर बड़ा प्रश्नचिन्ह हैं।उन्होंने कहा कि मेहनत करने वाले विद्यार्थियों के सपनों के साथ खिलवाड़ किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।देश के लाखों छात्र रात-दिन पढ़ाई करके डॉक्टर बनने का सपना देखते हैं,लेकिन पेपर लीक जैसे मामले उनकी उम्मीदों को तोड़ रहे हैं। इस पूरे घटनाक्रम के दौरान एक और चौंकाने वाली बात सामने आई। जय स्तंभ चौक पर पुलिस प्रशासन की 112 वाहन और पुलिसकर्मी मौजूद होने के बावजूद प्रदर्शनकारियों को पुतला दहन से नहीं रोका जा सका। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग उठाई।मशाल जुलूस और विरोध प्रदर्शन में कांग्रेस के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता और युवा बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। प्रदर्शन के दौरान नगर में राजनीतिक माहौल गर्माता नजर आया और विद्यार्थियों के भविष्य को लेकर लोगों में गहरी चिंता दिखाई दी।

निरीक्षण दौरे में जनता ने रखी वर्षों पुरानी मांगें,जीएम श्रीवास्तव ने दिए समाधान के संकेत

घोड़ाडोंगरी को रेल सुविधाओं का इंतजार जीएम के सामने गूंजा स्टॉपेज और फुटओवर ब्रिज विस्तार का मुद्दा

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

घोड़ाडोंगरी रेलवे स्टेशन पर बुधवार को रेलवे विभाग के जीएम श्री श्रीवास्तव के निरीक्षण दौरे के दौरान स्थानीय नागरिकों, व्यापारियों और जनप्रतिनिधियों ने वर्षों से लंबित रेल सुविधाओं और ट्रेनों के स्टॉपेज की मांग जोरदार तरीके से उठाई। बुधवार सुबह 10 बजे के लगभग स्टेशन पहुंचे जीएम श्रीवास्तव ने रेलवे स्टेशन परिसर,ट्रैक और यात्री सुविधाओं का निरीक्षण किया तथा स्थानीय लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना।इस दौरान व्यापारी कल्याण संघ के अध्यक्ष सुनील शर्मा,नगर परिषद उपाध्यक्ष सोनू खनूजा,सुमित सोनू सलूजा,मुकेश राठौर, प्रमोद मालवीय और वासुदेव नागले सहित अन्य नागरिकों ने रेलवे से जुड़ी प्रमुख समस्याओं का ज्ञापन सौंपा। स्थानीय नागरिकों ने जीएम को बताया कि रेलवे फुटओवर ब्रिज केवल प्लेटफॉर्म नंबर-1 तक ही सीमित है।इसका बाहर की ओर विस्तार नहीं होने के कारण रेलवे ट्रैक के दोनों ओर बसे लोगों,महिलाओं, स्कूली बच्चों और बुजुर्गों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है।कई लोग मजबूरी में सीधे पटरी पार करते हैं,जिससे दुर्घटना का खतरा लगातार बना रहता है।
जनता की इस गंभीर समस्या पर जीएम श्रीवास्तव ने सकारात्मक रुख अपनाते हुए भरोसा दिलाया कि फुटओवर ब्रिज का विस्तार कराया जाएगा,ताकि दोनों ओर रहने वाले लोगों को सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिल सके।ज्ञापन में सड़कवाड़ा और बासन्या रेलवे गेट बंद किए जाने का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया।स्थानीय लोगों ने बताया कि रेलवे द्वारा गेट बंद करते समय वैकल्पिक पक्का पहुंच मार्ग बनाने का आश्वासन दिया गया था,लेकिन आज तक उस पर अमल नहीं हुआ।इस पर जीएम श्रीवास्तव ने स्वीकार किया कि अधिकारियों और टीमों के बदलाव के कारण कार्य लंबित रह जाते हैं।उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देश देते हुए सड़कवाड़ा तक पक्का पहुंच मार्ग तैयार कराने का आश्वासन दिया।

इन ट्रेनों के स्टॉपेज की मांग फिर हुई तेज

घोड़ाडोंगरीवासियों ने रेलवे जीएम के सामने क्षेत्र की सबसे बड़ी मांग ट्रेनों के स्टॉपेज को भी मजबूती से रखा। ज्ञापन में जयपुर-चेन्नई एक्सप्रेस (12970/12967), इंदौर-नागपुर एक्सप्रेस (12923/12924), जबलपुर-नागपुर एक्सप्रेस (12159/12160) के स्टॉपेज तथा भुसावल-नागपुर ट्रेन (22111/22112) को पुनः प्रारंभ करने की मांग की गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि लंबे समय से घोड़ाडोंगरी में महत्वपूर्ण ट्रेनों के ठहराव की मांग की जा रही है, लेकिन अब तक केवल आश्वासन ही मिलते आए हैं। यदि इन ट्रेनों का स्टॉपेज मिलता है तो क्षेत्र के विद्यार्थियों,व्यापारियों, मरीजों और यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी।लोगों ने की जीएम के व्यवहार की सराहना निरीक्षण के दौरान मौजूद लोगों ने जीएम श्रीवास्तव के व्यवहार और कार्यशैली की खुलकर सराहना की। लोगों का कहना था कि आमतौर पर अधिकारी केवल ज्ञापन लेकर औपचारिकता निभा देते हैं,लेकिन श्रीवास्तव ने समस्याओं को गंभीरता से सुना और मौके पर ही अधिकारियों को निर्देशित किया।स्थानीय नागरिकों ने उम्मीद जताई कि इस बार घोड़ाडोंगरी की वर्षों पुरानी रेल समस्याओं का समाधान केवल फाइलों तक सीमित नहीं रहेगा,बल्कि धरातल पर भी दिखाई देगा।

गांव-गांव शिक्षा की दस्तक कॉलेज चलो अभियान ने जगाई उच्च शिक्षा की नई उम्मीद

जुवाड़ी और रानीपुर क्षेत्र के विद्यार्थियों को दी गई ई-प्रवेश,छात्रवृत्ति और करियर मार्गदर्शन की विस्तृत जानकारी

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

उच्च शिक्षा के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक करने और ग्रामीण-शहरी क्षेत्रों के युवाओं को कॉलेज से जोड़ने के उद्देश्य से वीर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी सरदार विष्णु सिंह उइके शासकीय महाविद्यालय सारनी द्वारा कॉलेज चलो अभियान के द्वितीय चरण के अंतर्गत प्रेरणादायी कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह आयोजन 20 मई को पीएम श्री शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल जुवाड़ी में संपन्न हुआ, जिसमें विद्यार्थियों,शिक्षकों और अभिभावकों को नई शिक्षा नीति 2020 एवं महाविद्यालयीन प्रवेश प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गई।महाविद्यालय के मार्गदर्शन में आयोजित इस अभियान के दौरान विद्यार्थियों को ई-प्रवेश पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन एडमिशन लेने की पूरी प्रक्रिया सरल और व्यवहारिक तरीके से समझाई गई।अभियान से जुड़े दिनकर लिखितकर ने डिजिटल प्रवेश प्रणाली की बारीकियों को साझा करते हुए विद्यार्थियों को समय रहते प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण करने के लिए प्रेरित किया।कॉलेज चलो अभियान के नोडल अधिकारी डॉ.हरीश लोखंडे ने विद्यार्थियों को विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं, भारतीय ज्ञान परंपरा,स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन योजना तथा उच्च शिक्षा से मिलने वाले अवसरों की जानकारी दी।उन्होंने कहा कि आज के दौर में कॉलेज शिक्षा केवल डिग्री नहीं बल्कि आत्मनिर्भरता और व्यक्तित्व विकास का मजबूत माध्यम बन चुकी है। कार्यक्रम के दौरान विज्ञान प्रयोगशाला,पुस्तकालय एवं अध्ययन सुविधाओं की जानकारी डॉ.राजेश हनोते ने दी।वहीं युवा उत्सव,खेल गतिविधियां,स्मार्ट क्लास और तकनीकी संसाधनों से संबंधित जानकारी अनुज कुमार हलदार द्वारा साझा की गई। विद्यार्थियों और अभिभावकों को महाविद्यालय भ्रमण के लिए भी आमंत्रित किया गया, ताकि वे कॉलेज के शैक्षणिक वातावरण और सुविधाओं को नजदीक से समझ सकें।
जुवाड़ी और रानीपुर स्कूल के प्राचार्यों ने भी विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि ग्रामीण अंचल के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को अब संसाधनों की कमी के कारण पीछे रहने की आवश्यकता नहीं है। महाविद्यालय की टीम और स्कूल स्टाफ ने संयुक्त रूप से विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण के इस अभियान को सफल बनाने में सक्रिय भागीदारी निभाई।कॉलेज चलो अभियान ने एक बार फिर यह संदेश दिया कि शिक्षा ही वह रोशनी है,जो गांवों से निकलकर युवाओं के सपनों को नई उड़ान देती है।

विक्रमपुर में आज लगेगा निःशुल्क हेल्थ कैंप ग्राम भारती महिला मंडल की पहल,ग्रामीणों को मिलेगा स्वास्थ्य परीक्षण,दवाइयां और विशेषज्ञ परामर्श

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

विक्रमपुर गांव में जनहित और ग्रामीण स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए गुरुवार को निःशुल्क हेल्थ कैंप का आयोजन किया जा रहा है। ग्राम भारती महिला मंडल के तत्वावधान में आयोजित इस स्वास्थ्य शिविर में ग्रामीणों को निःशुल्क स्वास्थ्य जांच, चिकित्सकीय परामर्श एवं दवाइयों का वितरण किया जाएगा।ग्राम भारती महिला मंडल की अध्यक्ष भारती अग्रवाल ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी को देखते हुए यह शिविर आयोजित किया जा रहा है, ताकि जरूरतमंद लोगों को समय रहते बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें।शिविर में सामान्य बीमारियों के साथ-साथ गंभीर रोगों से पीड़ित मरीजों की जांच कर उन्हें उचित उपचार एवं बेहतर चिकित्सा सुविधा के लिए मार्गदर्शन भी दिया जाएगा।उन्होंने विक्रमपुर एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का लाभ उठाएं।स्वास्थ्य विशेषज्ञों द्वारा मरीजों को स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक सुझाव भी दिए जाएंगे,जिससे ग्रामीणों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ सके।
ग्रामीणों ने ग्राम भारती महिला मंडल की इस पहल को जनसेवा की दिशा में सराहनीय कदम बताया है। क्षेत्र के लोगों का मानना है कि इस प्रकार के शिविर ग्रामीण अंचलों में स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

दवाइयों के शटर डाउन, मरीज परेशान

ऑनलाइन फार्मेसी के खिलाफ बैतूल में मेडिकल कारोबारियों का बड़ा संग्राम, 10 ब्लॉकों के 800 मेडिकल स्टोर रहे बंद

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

जिलेभर में बुधवार को दवाइयों की दुकानें बंद रहने से स्वास्थ्य व्यवस्था की धड़कन जैसे थम सी गई। बैतूल जिले के 10 ब्लॉकों में लगभग 800 मेडिकल संचालकों ने एकजुट होकर अपनी दुकानें बंद रखीं और ऑनलाइन फार्मेसी व कॉरपोरेट कंपनियों की कथित मनमानी के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया।शहर से लेकर ग्रामीण अंचलों तक मेडिकल स्टोरों के बंद रहने से मरीजों और उनके परिजनों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा।कई लोग जरूरी दवाइयों के लिए घंटों भटकते रहे,तो कहीं बुजुर्ग मरीजों को निराश होकर लौटना पड़ा।
बैतूल जिला औषधि विक्रेता संघ के जिला उपाध्यक्ष राजेंद्र मानकर ने बताया कि यह एकदिवसीय राष्ट्रव्यापी बंद 12 सूत्रीय मांगों को लेकर आयोजित किया गया था।उन्होंने कहा कि ऑनलाइन दवा बिक्री के बढ़ते चलन ने छोटे मेडिकल व्यापारियों के सामने बड़ा संकट खड़ा कर दिया है। बिना उचित निगरानी और नियंत्रण के ऑनलाइन माध्यम से दवाइयों की बिक्री मरीजों की सुरक्षा के साथ भी खिलवाड़ साबित हो रही है।नगर पालिका परिषद सारनी सहित बैतूल जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में सभी मेडिकल स्टोर पूर्णतः बंद रहे।दुकानें बंद करने के बाद जिलेभर के मेडिकल संचालक जिला मुख्यालय पहुंचे और प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर अपनी मांगों पर तत्काल कार्रवाई की मांग की।संघ पदाधिकारियों ने चिंता जताई कि कई प्रतिबंधित दवाइयां और नशे में इस्तेमाल होने वाली मेडिसिन ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर आसानी से उपलब्ध हो रही हैं। इसका सबसे ज्यादा दुष्प्रभाव युवा वर्ग पर पड़ रहा है,जो धीरे-धीरे नशे की गिरफ्त में पहुंचता जा रहा है।उन्होंने कहा कि बिना डॉक्टर की पर्ची के दवाइयों की बिक्री भविष्य में गंभीर सामाजिक और स्वास्थ्य संकट खड़ा कर सकती है। इन मुद्दों को लेकर भड़का मेडिकल कारोबारियों का आक्रोश ऑनलाइन फार्मेसी पर सख्त नियम लागू किए जाएं बिना लाइसेंस संचालित ई-फार्मा कंपनियों पर कार्रवाई हो डॉक्टर की पर्ची के बिना दवाइयों की बिक्री बंद की जाए नशीली एवं प्रतिबंधित दवाइयों की ऑनलाइन सप्लाई रोकी जाए छोटे मेडिकल व्यापारियों को कॉरपोरेट दबाव से सुरक्षा मिले दवा व्यापार की जटिल प्रक्रियाओं को सरल बनाया जाए फार्मासिस्ट की अनिवार्यता का कड़ाई से पालन हो मरीजों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए नई नीति बनाई जाए
दिनभर मेडिकल दुकानें बंद रहने से जिले में स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित होती नजर आईं। खासतौर पर ग्रामीण क्षेत्रों में मरीजों को आवश्यक दवाइयां नहीं मिल सकीं। मेडिकल संचालकों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार नहीं किया गया,तो आने वाले समय में आंदोलन और भी व्यापक रूप ले सकता है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मधुवर मोहन द्विवेदी द्वारा इंडिपेंडेट प्रेस, 11 प्रेस काम्पलेक्स, एमपी नगर जोन-1 भोपाल 462023 म.प्र. से मुद्रित एवं 201 ब्लाक ई, सागर प्रीमियम टावर जेके हॉस्पिटल, कोलार रोड, भोपाल म.प्र. से प्रकाशित।
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा) संपादक- सुनील यादव, समाचार संपादक- राहुल कौशिक। फोन नं. 0755-4262585-9425006706, मो. नंबर 9826697203, 9926288166, RNI.No. MPHIN/2020/78949